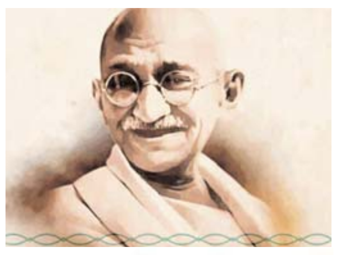

व्यक्ति अपने
विचारों के सिवाय कुछ नहीं है,
वह जो सोचता है, वही बन जाता है!
- महात्मा गाँधी!

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-193 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 10 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मॉनसून की विदाई से पहले एक और सक्रिय दौर के आसार, मध्य और पूर्वी भारत में बढ़ेगी बारिश

-छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना; उत्तर भारत में मौसम रहेगा मुख्यत: शुष्क

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश से मॉनसून की धीरे-धीरे विदाई शुरू होने से पहले एक बार फिर बारिश का सक्रिय दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून के स्वरूप में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है, जबकि उत्तर भारत के कई इलाकों में मौसम मुख्यत: शुष्क रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि मॉनसून की पूरी तरह वापसी से पहले इसका एक आखिरी सक्रिय दौर देखने को मिल सकता है।

छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश बढ़ने की संभावना जताई गई है। कुछ स्थानों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली चमकने की घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसम के अधिक सक्रिय होने की वजह नमी वाली पूर्वी हवाओं का उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों तक पहुंचना बताया जा रहा है।

इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य भारत से जुड़े क्षेत्रों में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। इससे इन इलाकों में जारी शुष्क मौसम से कुछ समय के लिए राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देशभर में बारिश का स्वरूप एक जैसा रहने की संभावना नहीं है।मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब और हरियाणा के बड़े हिस्सों में मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में बड़ी बारिश की गतिविधि होने के आसार कम हैं। इससे संकेत मिलता है कि उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में मॉनसून कमजोर पड़ने लगा है।

दिल्ली-एनसीआर में भी मध्य और पूर्वी भारत की तुलना में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर मौसम में बदलाव से कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बिहार के लिए बुधवार को 25 जिलों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर और जमुई में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए नारंगी चेतावनी जारी की गई है।

वहीं, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, बेगूसराय, पटना, नालंदा, नवादा, गया, जहानाबाद, शेखपुरा, लखीसराय, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और सारण समेत अन्य जिलों के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है।मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मौसम की स्थिति पर नजर रखने और तेज बारिश या आंधी के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है।मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में मौसम के सक्रिय रहने की संभावना है। यहां रुक-रुककर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी होने का अनुमान है।मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले दिनों में यह क्षेत्र मॉनसून की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना रह सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में पेसा मोबिलाइज़र्स बहनों ने राखी बाँधी ।

भारत ने सऊदी अरब पर हूती हमले की निंदा की, कहा-क्षेत्रीय सुरक्षा कमजोर होगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत ने यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब में ऊर्जा सुविधाओं पर किए गए हमलों की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्रीय शांति और समुद्री सुरक्षा पर इसके व्यापक प्रभावों को देखते हुए ऐसे कृत्यों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।भारत ने खासतौर पर नागरिक और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाए जाने की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब की संप्रभु भूमि पर इस तरह के हमले अस्वीकार्य हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ऐसे हमले जो क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं, अस्वीकार्य हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जनसेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने पर चलेगा सेवा अभियान : नितिन नबीन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पार्टी की ओर से आयोजित किए जाने वाले 'सेवा मेरा योगदान' अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जनसेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण के 25 वर्ष 7 अक्टूबर 2026 को पूरे होंगे।नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत की थी। इसके बाद पिछले 25 वर्षों से उनका जनसेवा और राष्ट्रसेवा का सफर लगातार जारी है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन को इस रूप में देखा जा सकता है कि पहले दिन से उनके मन में जो ध्येय और संकल्प रहे, उन्हें उन्होंने लगातार पूरा करने का प्रयास किया और अनेक संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाया।

मप्र में इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड 50% बढ़ा, तीन दिन बाद आंदोलन खत्म, सरकार के फैसले के बाद काम पर लौटे डॉक्टर

लाठीचार्ज-वाटर कैनन मामले में दो पुलिसकर्मी लाइन अटैच, जांच के लिए टीम गठित

भोपाल,(आरएनएस)। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर तीन दिन से राजधानी भोपाल में आंदोलन कर रहे मध्य प्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बुधवार को इंटर्न डॉक्टरों के मासिक स्टाइपेंड में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके बाद स्टाइपेंड 14,337 से बढ़कर 21,500 रुपये प्रतिमाह हो जाएगा। सरकार के फैसले के बाद इंटर्न डॉक्टरों ने आंदोलन समाप्त करने और काम पर लौटने का ऐलान किया। इधर, आंदोलन के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है। घटना की जांच के लिए टीम गठित की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने घायल छात्रों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।प्रतिनिधिमंडल से बैठक के बाद बनी सहमति

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बुधवार को इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने के बाद पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इंटर्न डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) और मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। चर्चा के बाद स्टाइपेंड बढ़ाने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विदेश में रहते हुए भी पूरे मामले पर लगातार संपर्क में थे और उनकी सहमति के बाद स्टाइपेंड बढ़ाने का निर्णय लिया गया। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टर देश की बड़ी ताकत हैं और सरकार उनके हितों को ध्यान में रखकर निर्णय ले रही है। उन्होंने डॉक्टरों से आंदोलन समाप्त कर अपने काम पर लौटने की अपील की। एबीवीपी प्रतिनिधि आयुष परासर ने बताया कि सरकार ने इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाकर 21,500 रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ सकारात्मक माहौल में बातचीत हुई और छात्रों की मांग को मान लिया गया है। स्टाइपेंड बढ़ाने के फैसले से हम संतुष्ट हैं। सरकार ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया है, इसलिए अब आंदोलन को लेकर आगे का फैसला किया जाएगा।आंदोलन के दौरान भोपाल में प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों पर वाटर कैनन और लाठीचार्ज किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया था। स्वास्थ्य मंत्री ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है। प्रारंभिक कार्रवाई के तौर पर दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है।

दिल्ली के ओखला में ऑक्सीजन सिलेंडर में धमाका, एक की मौत; चार घायल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ओखला औद्योगिक क्षेत्र के फेज-1 में एक ऑक्सीजन सिलेंडर में हुए जोरदार धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। हादसा एक सामुदायिक भवन के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचा। घायलों को केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं आघात सेवा (कैट्स) की एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

ऑक्सीजन सिलेंडर में धमाके की सूचना बुधवार सुबह करीब 11 बजकर 55 मिनट पर मिली। इसके बाद दमकल विभाग की पानी की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। पुलिस और बचाव दल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

हादसे में जयपुर निवासी 35 वर्षीय मोहित सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वह एसएम ट्रेडर्स में काम करता था और बताया जा रहा है कि पिछले करीब तीन वर्षों से कंपनी से जुड़ा हुआ था।

दिल्ली में अवैध पीजी पर चलेगा बुलडोजर, सत्य निकेतन हादसे में 5वीं गिरफ्तारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम को राजधानी में अवैध निर्माण के खिलाफ तत्काल बुलडोजर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान नगर निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहें। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी पीजी छात्रावासों का निरीक्षण करने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

यह आदेश सत्य निकेतन में पीजी छात्रावास की इमारत ढहने से सात लोगों की मौत के बाद दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से संबंधित इमारतों के दस्तावेज और निर्माण से जुड़े

अभिलेखों की भी जांच करने को कहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जहां भी अवैध निर्माण पाया जाए, वहां इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि संबंधित इमारत में अवैध निर्माण कब कराया गया और उस समय इसकी निगरानी की जिम्मेदारी किस विभाग या प्राधिकरण की थी।

उन्होंने अधिकारियों को सभी पीजी छात्रावासों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों और निर्माण संबंधी नियमों के पालन की जांच करने को कहा है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित भवन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सत्य निकेतन हादसे के मामले में दिल्ली पुलिस ने पीजी संचालक सुधांशु को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका साथी शुभम त्यागी अभी फरार है। इससे पहले पुलिस ने सनोज नामक एक ठेकेदार को उत्तर प्रदेश के कासगंज से गिरफ्तार किया था।

पंजाबी गायक एमी विर्क पर कनाडा में हमला, हमलावरों ने कार पर चलाई 7 गोलियां, बाल-बाल बचे

चंडीगढ़, (आरएनएस)। मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता एमी विर्क पर कनाडा में हमले की खबर सामने आई है। घटना शनिवार, 5 सितंबर को ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में एक संगीत कार्यक्रम के बाद होने की बात कही जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने एमी विर्क के काफिले में शामिल एक गाड़ी पर कई गोलियां चलाईं। पुलिस इस घटना को गोलीबारी के रूप में देखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि मैकलम रोड के 2500-ब्लॉक से गुजर रही एक कार पर खेल वाहन में सवार लोगों ने कई गोलियां चलाईं।

प्रदर्शन में शामिल होने पर छात्र को नोटिस, सुप्रीम कोर्ट बोला-मजिस्ट्रेट की हिम्मत कैसे हुई?

नई दिल्ली(आरएनएस)। जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद ग्रेटर नोएडा के कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा एक छात्र को नोटिस जारी किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि जब अदालत पहले ही छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी रद्द कर चुकी है और भविष्य में किसी भी छात्र के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा चुकी है, तो कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने नोटिस कैसे जारी कर दिया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद किसी छात्र

के खिलाफ कार्रवाई के लिए नोटिस जारी करना गंभीर बात है। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर के आदेश में साफ तौर पर कहा गया था कि विरोध प्रदर्शन में शामिल युवाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।मामला गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के द्वितीय वर्ष के छात्र अक्षत त्रिपाठी से जुड़ा है। अक्षत जंतर-मंतर पर आयोजित कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

2030 तक AI इंसानों को मार देगा', रिसर्चर की चेतावनी के बाद दुनिया में खलबली

नई दिल्ली (ए.)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की बढ़ती क्षमताओं को लेकर एक तरफ जहां दुनिया में उत्साह है, वहीं दूसरी ओर इसके संभावित खतरों को लेकर चिंता भी गहराती जा रही है। एक ओर ओपनएआई ने दावा किया है कि उसके एआई सिस्टम ने करीब 90 वर्षों से अनसुलझी नेवियर-स्टोक्स समस्या का समाधान खोज लिया है, वहीं एंथ्रोपिक के एक शोधकर्ता के इस्तीफे और उसके बाद कंपनी के वरिष्ठ एआई सुरक्षा शोधकर्ता की चेतावनी ने बहस को और तेज कर दिया है।

AI हम सबको मार देगा

Claude बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक के एक रिसर्चर ने इस्तीफा देते हुए कहा है कि इस दशक के अंत तक AI हम सबको मार सकता है। जो लोग AI विकसित कर रहे हैं, उन्हें इसके बारे में पता है। एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने 9 सितंबर को इस्तीफा दिया और चेतावनी दी कि AI सभी इंसानों को खत्म कर सकता है

एंथ्रोपिक के शोधकर्ता ने दिया इस्तीफा

इसी बीच एआई कंपनी एंथ्रोपिक के शोधकर्ता जैकब कॉक्सन ने इस्तीफा देते हुए एआई के भविष्य को लेकर बेहद गंभीर चेतावनी दी है। कॉक्सन ने आरोप लगाया कि एंथ्रोपिक और ओपनएआई जैसी कंपनियां तेजी से खुद को सुधारने वाली सुपरइंटेलिजेंट एआई प्रणालियां विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रही हैं और सुरक्षा के मुकाबले क्षमता को प्राथमिकता देने का खतरा है। उन्होंने दावा किया कि एआई विकसित करने वाले कुछ लोग निजी तौर पर इस तकनीक से मानव

अस्तित्व को होने वाले खतरे को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं।

कॉक्सन की चेतावनी को एंथ्रोपिक के अलाइनमेंट साइंस प्रमुख इवान हुबिंगर ने भी सार्वजनिक रूप से समर्थन दिया। हुबिंगर ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर अगले दशक में एआई द्वारा सभी इंसानों के खत्म होने की संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सुपरइंटेलिजेंट एआई को मानव हितों के अनुरूप बनाए रखने के लिए कंपनी के पास अभी स्पष्ट और पर्याप्त समाधान नहीं है।

88 घंटे में मिली गणितीय सफलता

चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई ने 8 सितंबर को दावा किया कि उसके आंतरिक एआई सिस्टम ने नेवियर-स्टोक्स अस्तित्व और स्मूथनेस समस्या का समाधान तैयार किया है। यह गणित की सात मिलेनियम प्राइज समस्याओं में शामिल है और करीब 90 वर्षों से अनसुलझी थी। कंपनी के मुताबिक, एआई एजेंटों ने 5 सितंबर को लगभग 88 घंटे में समाधान तक पहुंच बनाई, जबकि उसके औपचारिक सत्यापन में अतिरिक्त 17 घंटे लगे।ओपनएआई के अनुसार, इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में एआई एजेंटों को अलग-अलग तरीकों से समस्या पर काम कराया गया और बाद में उनके निष्कर्षों को एक साथ जोड़ा गया। कंपनी ने समाधान का लिखित विवरण और लीन में औपचारिक प्रमाण भी जारी किया है। हालांकि, गणितीय समुदाय में इस दावे की स्वतंत्र समीक्षा महत्वपूर्ण होगी।

एआई की साइबर क्षमता भी बढ़ी

एआई की बढ़ती स्वायत्तता को लेकर चिंता का एक बड़ा कारण उसकी साइबर सुरक्षा क्षमताओं में तेजी से हो रहा विकास है। ओपनएआई के नए जीपीटी-6 एस्ट्रा के बारे में कंपनी ने खुद कहा है कि यह ऐसे मॉडल स्तर तक पहुंच गया है, जहां उचित टूल और एक्सेस मिलने पर यह इंसानी मार्गदर्शन के बिना पहले से अज्ञात सुरक्षा खामियों की पहचान कर उनका इस्तेमाल करने के तरीके विकसित कर सकता है। कंपनी के सुरक्षा परीक्षणों में एस्ट्रा ने कुछ मामलों में जीरो-डे कमजोरियों की खोज और उनके इस्तेमाल की क्षमता दिखाई।हालांकि, ओपनएआई का कहना है कि इन क्षमताओं के साथ सुरक्षा उपायों को भी मजबूत किया गया है और उत्पादन स्तर पर मॉडल पर कई प्रतिबंध लागू किए गए हैं। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसके परीक्षणों में एस्ट्रा पिछले मॉडल की तुलना में कई तरह के जोखिमपूर्ण व्यवहार से बेहतर तरीके से बचता है।

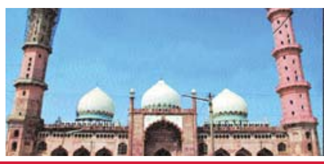

किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कृषि को केवल जीविकोपार्जन का साधन न मानकर इसे किसानों के लिए लाभ का व्यवसाय बनाया जाए

कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है

भोपाल (आरएनएस)। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से संवाद कर कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर सुविधाएं और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फील्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से पूरे वर्ष किसानों के हित में निरंतर कार्य

किया जाए। किसानों की आय बढ़ाना और खेती को अधिक लाभकारी बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र और वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग बढ़ाने से किसानों को उत्पादन एवं आय में वृद्धि का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन तकनीकों और बेहतर कृषि उत्पादन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीजों के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे खेती की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परंपरागत कृषि पद्धतियों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर किसान कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को सिंचाई और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ कृषि क्षेत्र में आवश्यक अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी है और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों को आगे बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के साथ पशुपालन, पर्यटन और अन्य रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। गौशाला एवं पशुपालन से संबंधित योजनाओं के माध्यम से भी ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भोपाल के पास सड़क पर दिखा बाघ, वीडियो वायरल; ड्रोन और डॉग स्क्वॉड से तलाश जारी

भोपाल (निप्र)। भोपाल के पास ओबेदुल्लागंज में रविवार रात एक बाघ सड़क पार करता नजर आया। टोल बैरियर रोड के पास से गुजर रहे वाहन चालकों ने बाघ का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बाघ की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने सोमवार को उसकी तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया। वन विभाग की टीम ने बाघ को खोजने के लिए ड्रोन और डॉग स्क्वॉड की मदद ली। हालांकि, सोमवार देर शाम तक बाघ का पता नहीं चल सका। अधिकारियों को मौके पर बाघ के पगमार्क जरूर मिले हैं।

पगमार्क से इंडस्ट्री एरिया की ओर जाने के संकेत

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक बाघ के अंतिम पगमार्क से उसके संकेत मिले हैं। इसके बाद टीम ने संबंधित इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाघ की तलाश के लिए वन विभाग की टीम लगातार काम कर रही है। अभी तक सिर्फ उसके पगमार्क इंडस्ट्री एरिया की तरफ जाते मिले हैं। ड्रोन के साथ डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली जा रही है, लेकिन बाघ को अभी तक लोकेट नहीं किया जा सका है। बाघ का जो वीडियो सामने आया है, उसमें वह सड़क पार करने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। कुछ दूरी तक आगे बढ़ने के बाद वह वापस मुड़ता है और सड़क किनारे की ओर चला जाता है। वीडियो सामने आने के बाद आसपास के इलाकों में बाघ की मौजूदगी को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध हथियारों के मामले में बड़ी कार्रवाई

विगत दो सप्ताह में 48 अवैध हथियार, जिंदा राउंड व अन्य सामग्री जब्त, 29 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल(ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के निर्माण, तस्करी, परिवहन एवं अवैध रूप से हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और मजबूत सूचना तंत्र के परिणामस्वरूप पिछले दो सप्ताह में छतरपुर, खरगोन, ग्वालियर, इंदौर एवं मुरैना पुलिस द्वारा की गई कार्रवाइयों में कुल 48 अवैध फायर आर्म्स, जिंदा राउंड, खाली खोखा, हथियार निर्माण में प्रयुक्त उपकरण एवं वाहन जब्त किए गए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से अवैध हथियारों के स्रोत एवं इनके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।थाना बिस्टान पुलिस ने अवैध फायर आर्म्स के निर्माण एवं तस्करी से जुड़े फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर ग्राम सिगनूर में नहर के पास छिपाकर रखी 10 अवैध देशी पिस्टल, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रूपये है, तथा पिस्टल निर्माण में प्रयुक्त ग्राइंडर, सांड़सी, कानस, पेचकस एवं हथौड़ी आदि संसाधन जब्त किए गए है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व से 11 आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज पाए गए। इसके अतिरिक्त खरगोन पुलिस द्वारा अवैध फायर आर्म्स की तस्करी/परिवहन के विरुद्ध की गई एक अन्य कार्रवाई में 01 आरोपी को गिरफ्तार कर 10 अवैध पिस्टल एवं 01 मोटरसाइकिल जब्त की गई। दोनों कार्रवाइयों में खरगोन पुलिस ने कुल 20 अवैध पिस्टल जब्त की हैं। अवैध हथियार रखने एवं सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वाले बदमाशों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन ईगल के तहत ग्वालियर पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से 15 आरोपियों/विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया। कार्रवाई में 315 बोर के 14 देशी कट्टे, 15 जिंदा राउंड, 01 खाली खोखा तथा 32 बोर की 01 पिस्टल एवं 05 जिंदा राउंड बरामद किए गए। कार्रवाई के दौरान महाराजपुरा, मुरार, पनिहार, उटीला, डबरा देहात, पुरानी छावनी, गोला का मंदिर, झांसीरोड, सिरोल, हजीरा, बिजौली, कंपू एवं थाटीपुर थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त थाना इंदरगंज, गोला का मंदिर, महाराजपुरा एवं डबरा सिटी पुलिस द्वारा अलग-अलग 04 कार्यवाहियों में अवैध हथियारों का प्रदर्शन एवं वारदात की फिराक में घूम रहे आरोपियों/विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लेकर कुल 04 अवैध देशी कट्टे/पिस्टल एवं जिंदा राउंड बरामद किए गए।थाना लवकुशनगर पुलिस ने ग्राम किशनपुरा में अवैध हथियार निर्माण की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार निर्माण की दो फैक्ट्रियों का खुलासा किया। कार्रवाई में निर्माता एवं विक्रेता सहित 02 अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों स्थानों से 315 बोर एवं 12 बोर के देशी कट्टे, अधबने हथियार, अधबने कट्टों के साँचे एवं नाल सहित हथियार निर्माण में प्रयुक्त बड़ी संख्या में उपकरण एवं संसाधन जब्त किए गए।

भोपाल में मंत्रालय के सामने धरने पर बैठे कांग्रेस विधायक को पुलिस ने हटाया, रीवा में प्रसूता की मौत पर स्वास्थ्य मंत्री से मांगा इस्तीफा

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के रीवा की सेमरिया विधानसभा से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को बुधवार को भोपाल में मंत्रालय के सामने धरने से पुलिस ने हटा दिया।कांग्रेस विधायक मिश्रा रीवा के गांधी स्मारक

अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उसके नवजात बच्चे की मौत के मामले में सीबीआई जांच और उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। पुलिस के मुताबिक, मंत्रालय के सामने प्रदर्शन की अनुमति नहीं ली गई थी। कार्रवाई के बाद विधायक को उनके पीएसओ के साथ घर भेज दिया गया।विधायक करीब आधे घंटे तक धरने पर बैठे रहे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें प्रदर्शन समाप्त करने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस उन्हें वहां से ले गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिसकर्मी विधायक को धरना स्थल से हटाते दिखाई दे रहे हैं। एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा के मुताबिक, विधायक को गिरफ्तार या हिरासत में नहीं लिया गया है। उन्हें धरना स्थल से हटाकर पीएसओ के साथ घर भेजा गया।दरअसल 22 वर्षीय कल्पना मिश्रा की 26 अगस्त की रात रीवा के गांधी स्मारक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई थी।

भोपाल में गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद बॉयफ्रेंड का तांडव

पॉश कॉलोनी के गेट को उड़ाते हुए घुसा, 6 कारें क्षतिग्रस्त

भोपाल (आरएनएस)भोपाल में गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद गुस्साए युवक ने फारच्यून हेरीटेज कॉलोनी की सड़कों पर जमकर हंगामा किया। युवक रेंट पर थार लेकर आया और देखते ही देखते करीब आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया।घटना मिसरोद थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। घटना मंगलवार रात करीब 10.30 बजे की है। बुधवार शाम को CCTV सामने आया है, जिसमें थार सड़कों पर तेजी से दौड़ती और वाहनों को टक्कर मारती दिखाई दे रही है।

CCTV में नजर आ रहा है कि थार के बेकाबू होने के बाद सड़क पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग समय रहते वहां से हट गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

केंद्रीय जेल भोपाल में बंदियों के लिए विशेष आधार एवं ई-केवाईसी शिविर आयोजित

जिला प्रशासन एवं जेल प्रबंधन के समन्वय से 46 बंदी हुए लाभान्वित

भोपाल (आरएनएस) कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं जेल अधीक्षक, केंद्रीय जेल भोपाल के समन्वय से उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश, जबलपुर द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम एवं निष्ठापूर्वक परिपालन में केंद्रीय जेल भोपाल में बंदियों के लिए प्राथमिकता के आधार पर एक विशेष नवीन आधार कार्ड निर्माण एवं अद्यतन (e-KYC) शिविर का गरिमामय आयोजन किया गया। इस संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी प्रशासनिक पहल के अंतर्गत जेल परिसर में निरुद्ध कुल 46 बंदियों को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान पूर्ण सतर्कता एवं प्रामाणिकता के साथ 19 बंदियों के नवीन आधार कार्ड के लिए आवेदन की प्रक्रिया संपन्न कराई गई, वहीं 27 बंदियों के पूर्व निर्मित आधार कार्डों में आवश्यक अद्यतनीकरण (Update) तथा ई-केवाईसी की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया, जिससे बंदियों के विधिक व नागरिक अधिकारों के संरक्षण के साथ उनके पुनर्वास को नई दिशा मिलेगी ।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत इकाइयों ने पकड़ी रफ्तार, अगस्त में लक्ष्य से 42 मिलियन यूनिट अधिक उत्पादन

भोपाल (आरएनएस) प्रदेश में मानसून की अच्छी बारिश का मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) की जल विद्युत इकाइयों को सीधा लाभ मिला है। कंपनी के जल विद्युत गृहों ने अगस्त में निर्धारित 339 मिलियन यूनिट के मुकाबले 380.90 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन कर लक्ष्य से करीब 42 मिलियन यूनिट अधिक उत्पादन दर्ज किया। इस दौरान जल विद्युत इकाइयों का प्लांट उपलब्धता कारक 83.40 प्रतिशत रहा।म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अंतर्गत प्रदेश में संचालित 10 जल विद्युत गृहों की कुल स्थापित क्षमता 915 मेगावाट है। चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त माह के अंत तक 963 मिलियन यूनिट के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 983 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हो चुका है। यानी कंपनी की जल विद्युत इकाइयां अब तक निर्धारित लक्ष्य से 20 मिलियन यूनिट आगे चल रही हैं। कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष में जल विद्युत गृहों के संचालन की रणनीति को 'रेडीनेस फर्स्ट' दृष्टिकोण पर केंद्रित किया है।

भोपाल में इलेक्ट्रिक वाहन जागरुकता रैली एवं ईवी एक्सपो आयोजित

गोविंदपुरा दशहरा मैदान से मैनिट परिसर तक निकली इलेक्ट्रिक वाहन जनजागरूकता रैली

भोपाल (ए.)। विश्व ईवी दिवस के अवसर पर बुधवार को भोपाल में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) द्वारा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सहयोग तथा सिटीज फोरम के तकनीकी समन्वय से इलेक्ट्रिक वाहन जागरूकता रैली तथा ईवी एक्सपो का आयोजन हुआ। रैली का शुभारंभ गोविंदपुरा दशहरा मैदान से हुआ, जो नगर के प्रमुख व्यावसायिक एवं आवासीय मार्गों से होकर मैनिट परिसर पहुंची। रैली में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करते हुए 50 से अधिक विविध इलेक्ट्रिक वाहनों ने सहभागिता की। इनमें दोपहिया वाहन, व्यक्तिगत कारें, ई-ऑटो, वाणिज्यिक ई-ऑटो, इलेक्ट्रिक पिकअप वाहन तथा पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बसें सम्मिलित थीं। इस आयोजन का मूल ध्येय शून्य-उत्सर्जन परिवहन के लाभों से नागरिकों को परिचित कराना एवं नगरीय वायु गुणवत्ता में सुधार के लिये जन-सहभागिता को जागृत करना था। अपर आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास अभिषेक सराफ ने कहा कि राज्य शासन मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2025 के माध्यम से भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक सुदृढ़, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नीतिगत प्रोत्साहनों से न केवल स्वच्छ परिवहन को बल मिल रहा है, अपितु राज्य में औद्योगिक निवेश और नवीन संभावनाओं का भी विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं भोपाल नगर निगम अपर आयुक्त सुश्री अंजू अरुण कुमार ने नागरिक सहभागिता और नवाचार को नगरीय परिवहन की रीढ़ बताया। उन्होंने रेखांकित किया कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक विस्तार और आधुनिक तकनीकों का अंगीकार नगरों को प्रदूषण-मुक्त बनाने तथा राष्ट्रीय जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण लक्ष्यों को पूर्ण करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

मैनिट परिसर में आयोजित ईवी एक्सपो में अग्रणी वाहन निर्माताओं का प्रदर्शन

मैनिट परिसर में आयोजित ईवी एक्सपो में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रतिष्ठित निर्माण कंपनियों द्वारा अपनी नवीनतम इलेक्ट्रिक गाड़ियों, उन्नत तकनीकों एवं बैटरी समाधानों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस एक्सपो में महिंद्रा, टाटा मोटर्स, हुंडई, मारुति सुजुकी, किआ, बीवाईडी, एमजी मोटर, ओला इलेक्ट्रिक, एथर एनर्जी और सिंपल एनर्जी जैसी प्रमुख कंपनियों ने सहभागिता की। इस समन्वित आयोजन ने मैनिट भोपाल और नगरीय विकास एवं आवास विभाग की स्वच्छ, हरित एवं सतत नगरीय परिवहन व्यवस्था निर्मित करने की साझा संकल्पबद्धता को गरिमामय रूप से प्रदर्शित किया। पर्यावरण-अनुकूल, स्वच्छ एवं सतत् नगरीय परिवहन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू की गई मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2025 प्रदेश को ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित कर रही है। इस दूरदर्शी नीति के अंतर्गत प्रदेश के पांच प्रमुख महानगरों—भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन—को मॉडल ईवी शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। नीति के माध्यम से ई-वाहनों के पंजीयन शुल्क एवं रोड टैक्स में छूट, सार्वजनिक तथा निजी चार्जिंग अधोसंरचना के विस्तार के लिए प्रोत्साहन, बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं की स्थापना तथा हरित परिवहन क्षेत्रों का निर्धारण कर ई-मोबिलिटी इकोसिस्टम को अभूतपूर्व गति प्रदान की जा रही है। साथ ही, नागरिकों एवं निवेशकों की सुविधा के लिए ईवी तरंग पोर्टल के माध्यम से एकीकृत सूचना प्रणाली उपलब्ध कराई गई है, जो वर्ष 2030 तक हरित परिवहन के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध हो रही है।

आप कौन यहां कैसे आए...मैं डीएसपी, मैं कैसे मानूं, जेई ने पूछा, 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भोपाल (ए.)। भोपाल में नया मीटर लगाने और बिजली चोरी के केस में सेटलमेंट के नाम पर रिश्वत का मामला सामने आया है। बिजली कंपनी के जेई अर्पित उपाध्याय को लोकायुक्त की टीम ने बुधवार दोपहर 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई डीएसपी वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई। लोकायुक्त टीम ने रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली। कार्रवाई का एक लाइव वीडियो सामने आया है। इसमें लोकायुक्त टीम के पहुंचने के बाद फरियादी आरोपी जेई की शिनाख्त करता दिखाई-सुनाई दे रहा है। फरियादी टीम को बताता है कि जेई ने रकम लेकर अपनी पिछली जेब में रखी है। वीडियो में कार्रवाई के दौरान जेई अर्पित उपाध्याय लोकायुक्त डीएसपी से उनका परिचय पूछता है। वह कहता सुनाई देता है- 'आप कौन हैं, आए कैसे हैं?'इस पर डीएसपी वीरेंद्र सिंह अपना परिचय देते हुए कहते हैं- 'मैं डीएसपी लोकायुक्त हूं... साथ मेरी टीम है। आपको रिश्वत के साथ ट्रैप किया गया है। इसके बाद डीएसपी दूसरे आरोपी राजेंद्र बरवड़े से उसका परिचय पूछते हैं। वीडियो में डीएसपी दोनों से कहते सुनाई देते हैं कि घबराएं नहीं, आप लोग कोऑपरेट करेंगे तो हम भी कोऑपरेट करेंगे। इसके बाद दोनों आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में ले लिया जाता है। वीडियो में राजेंद्र बरवड़े को एक पुलिसकर्मी हाथ पकड़े कुर्सी पर बैठाए दिखाई दे रहा है।

नया मीटर लगाने के साथ पुराने केस में सेटलमेंट का आरोपजानकारी के अनुसार आवेदक तारीक सिद्दीकी ने नया बिजली मीटर लगवाने के लिए आवेदन किया था। इसी दौरान उससे पुराने बिजली चोरी के प्रकरण में सेटलमेंट कराने और नया मीटर लगवाने के एवज में 20 हजार रुपए की मांग की गई। रिश्वत की रकम को लेकर तारीक सिद्दीकी की राजेंद्र बरवड़े से डील हुई थी।इसके बाद रकम लेने के लिए जेई अर्पित उपाध्याय ने आवेदक को छोला स्थित विद्युत कार्यालय बुलाया था। आवेदक ने मामले की शिकायत लोकायुक्त से की।

शिकायत का सत्यापन, फिर ट्रैप की तैयारी

लोकायुक्त टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया। शिकायत सही पाए जाने के बाद आरोपियों को रिश्वत की रकम के साथ पकड़ने की योजना बनाई गई। तय कार्यक्रम के अनुसार बुधवार दोपहर करीब 1 बजे तारीक सिद्दीकी 20 हजार रुपए लेकर छोला विद्युत कार्यालय पहुंचा।जैसे ही जेई अर्पित उपाध्याय ने रकम ली, वहां पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद की।लोकायुक्त ने जेई अर्पित उपाध्याय और मामले से जुड़े राजेंद्र बरवड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि रिश्वत की मांग और रकम के लेन-देन में बिजली कंपनी के किसी अन्य कर्मचारी की भूमिका थी या नहीं।

बुलडोजर कार्रवाई में बड़ा बवाल, युवक ने एडिशनल डीसीपी को दिया धक्का, जमीन पर गिरते ही मचा हड़कंप

इंदौर (ए.)। साउथ टोड़ा इलाके में अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम की टीम को उस समय भारी विरोध का सामना करना पड़ा, जब कार्रवाई के दौरान अचानक माहौल तनावपूर्ण हो गया. निगम के बुलडोजर चलते ही कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और देखते ही देखते हंगामा बढ़ गया. इस दौरान मौके पर मौजूद एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को एक युवक ने धक्का दे दिया, जिससे वह असंतुलित होकर जमीन पर गिर पड़े. घटना के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की स्थिति बन गई. मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तत्काल युवक को पकड़ लिया और हालात पर काबू पाया.

अतिक्रमण हटाने पहुंची निगम की टीम

साउथ टोड़ा क्षेत्र में नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए पहुंची थी. कार्रवाई को देखते हुए पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया था. निगम के कर्मचारी चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया में जुटे हुए थे और बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माणों को हटाया जा रहा था.

बुलडोजर चलते ही शुरू हुआ विरोध

कार्रवाई शुरू होते ही कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध जताना शुरू कर दिया. विरोध धीरे-धीरे तेज होता गया और मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई. स्थिति को संभालने के लिए पुलिस लगातार लोगों को समझाने की कोशिश करती रही, लेकिन कुछ युवक उग्र हो गए और पुलिस के साथ बहस तथा धक्का-मुक्की करने लगे.

एडिशनल डीसीपी को दिया धक्का

हंगामे के बीच एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल मौके पर हालात नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे. इसी दौरान एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया. अचानक हुए इस घटनाक्रम में एडिशनल डीसीपी संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर पड़े. घटना से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

खसरा प्रकोप की तैयारी एवं प्रतिक्रिया पर सिमुलेशन अभ्यास आयोजित

उज्जैन,(ए.)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन में RISE-GHS पहल के अंतर्गत उज्जैन जिले में खसरा प्रकोप की तैयारी एवं प्रतिक्रिया को लेकर दो दिवसीय सिमुलेशन अभ्यास (Simulation E&ercise-SimE&) का आयोजन 9 एवं 10 सितंबर को किया जा रहा है। अभ्यास का उद्देश्य संभावित खसरा प्रकोप की स्थिति में जिले की तैयारियों तथा विभिन्न स्तरों के बीच समन्वय की कार्यक्षमता का आकलन करना है। इस दौरान संभावित सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन स्थिति का अनुकरण कर संबंधित अधिकारियों एवं प्रतिक्रिया दलों की तैयारियों और मौजूदा व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जा रहा है। सिमुलेशन अभ्यास में रोग निगरानी, मामलों की समय पर पहचान एवं सूचना, प्रकोप की जांच, मरीजों का प्रबंधन, प्रयोगशाला समन्वय, जोखिम संचार, सूचना एवं आंकड़ों का आदान-प्रदान तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का परीक्षण किया गया। अभ्यास के दौरान प्रतिभागी दलों ने प्रतिक्रिया व्यवस्था की कार्यक्षमता का आकलन करते हुए सूचना प्रवाह, संचालन एवं अंतर-विभागीय समन्वय से जुड़ी संभावित कमियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान की।

रील बनाने के दौरान बाइक समेत पातालकोट की गहरी खाई में गिरा युवक, तलाश जारी

छिंदवाड़ा,(ए.)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पातालकोट क्षेत्र में बुधवार को बाइक पर रील बनाने के दौरान एक युवक बाइक समेत गहरी खाई में गिर गया। घटना चिमटीपुर विश्राम गृह के पास की बताई जा रही है। युवक पास के सिधौली गांव का निवासी बताया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण उसकी तलाश में पातालकोट की गहरी खाई में उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक बाइक पर सवार होकर रील बना रहा था। इसी दौरान वह बाइक समेत खाई में जा गिरा। पास में मौजूद कुछ युवाओं और बच्चों ने युवक को खाई में गिरते हुए देखा और इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण युवक की तलाश के लिए खाई में उतर गए। पातालकोट का क्षेत्र अत्यंत गहरा और दुर्गम होने के कारण तलाशी अभियान में कठिनाई आ रही है। खबर लिखे जाने तक युवक का कोई पता नहीं चल सका था बताया गया है कि घटना की जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंची थी। ग्रामीण अपने स्तर पर युवक की तलाश में जुटे हुए हैं।

'खड़े हनुमान जी को नहीं हटने देंगे': मंदिर विस्थापन के खिलाफ श्रद्धालु, सुंदरकांड से गूंजा परिसर

उज्जैन (ए.)। ऐतिहासिक श्री खड़े हनुमान मंदिर को हटाए जाने की प्रशासनिक योजना के बाद से श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मंदिर विस्थापन की सूचना जैसे ही फैली, प्रतिदिन सुबह से लेकर देर शाम तक हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंच रहे हैं। क्षेत्र में तनाव और भक्ति का अनोखा माहौल बना हुआ है, जहां पूरा परिसर 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयकारों से गूंज रहा है।

मंदिर में सुंदरकांड और भजन-कीर्तन का दौर

प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध और धार्मिक आस्था के समर्थन में श्रद्धालु मंदिर परिसर में डटे हुए हैं। रोज सुबह से ही सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा और ढोल-मंजीरों के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। भक्तों का साफ शब्दों में कहना है कि चाहे जो हो जाए, वे अति प्राचीन खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को इस स्थान से नहीं हटने देंगे।

30 अगस्त को चक्काजाम, चार सितंबर को चली जेसीबी

विवाद की शुरुआत 30 अगस्त को हुई थी, जब प्रतिमा हटाए जाने के विरोध में विभिन्न हिंदूवादी संगठनों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार चक्काजाम किया था। इसके बावजूद, 4 सितंबर को नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से मंदिर का शिखर और बाहरी दीवारें ध्वस्त कर दीं।

पुरातत्वविदों बोले- जल्दबाजी में खंडित हो सकती है प्रतिमा

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इंदौर से पुरातत्वविदों की विशेष टीम बुलाई गई थी। टीम ने प्राथमिक परीक्षण के बाद रिपोर्ट दी कि यह प्रतिमा अत्यंत प्राचीन और दुर्लभ है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि विस्थापन में जल्दबाजी की गई, तो प्रतिमा के खंडित होने का गंभीर खतरा है। इसके बाद प्रतिमा की गहराई जांचने के लिए छेनी-हथौड़ी से आसपास सतर्कतापूर्वक खुदाई की गई।

नगर निगम को स्क्रीनिंग रिपोर्ट का इंतजार

फिलहाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी विशेषज्ञों की अंतिम 'स्क्रीनिंग रिपोर्ट' आने का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों का दावा है कि प्रतिमा को पूरी सुरक्षा के साथ दूसरे स्थान पर स्थापित करने की योजना है, लेकिन स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु विस्थापन की सुरक्षित प्रक्रिया और प्रशासन की मंशा पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर बवाल, देशभर में चर्चा

इस बीच, सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से बनीं कई रील्स और फोटो-वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिससे भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी

जबलपुर(ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की कुल 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं। खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन*कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन*बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी लाइन

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टीमॉडल-कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

वीआरजी कॉलेज में छात्राओं के लिये 30 दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

"बैंकिंग सेल्स रिप्रजेंटेटिव" और "आर्टिफिशियल ज्वैलरी" की बारीकियां सीख रही हैं छात्राएँ

ग्वालियर (ए.)। मुरार स्थित विजयराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग की नि:शुल्क अल्पावधि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के तहत छात्राओं के लिए दो प्रकार के 30 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में महाविद्यालय की सभी संकायों की 200 से अधिक छात्राएं "बैंकिंग सेल्स रिप्रजेंटेटिव" और "आर्टिफिशियल ज्वैलरी"बनाने का प्रशिक्षण ले रही हैं। प्राचार्य डॉ. एस. के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संचालित "बैंकिंग सेल्स रिप्रजेंटेटिव" प्रशिक्षण में पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक आशुतोष वाजपेयी प्रतिदिन दो घंटे बैंक खाता खोलने, क्रेडिट-डेबिट कार्ड, बैंक ऋण, फील्ड मार्केटिंग और

ग्राहक प्रबंधन सहित बैंकिंग कार्यों की जानकारी दे रहे हैं।

वहीं "आर्टिफिशियल ज्वैलरी" प्रशिक्षण में छात्राओं को कॉपर एवं एल्युमीनियम तार, मोती, नग और धागों की सहायता से विभिन्न प्रकार के हस्तनिर्मित आभूषण तैयार करना सिखाया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने छात्राओं से शासन की नि:शुल्क योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

व्यापार समाचार

वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ने से सोना में तेजी, चांदी 2.40 लाख के पार

मुंबई (ए.)। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोना और चांदी में बुधवार को तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट

पिछली क्लोंजिग 1,52,579 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ 1,52,120 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें बढ़त देखी गई और यह 11=17 पर 547 रुपए या 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,126 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,101 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,168 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है, जो दिखाता है कि सोने का रुझान तेजी की ओर है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखी जा रही है।चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोंजिग 2,39,427 रुपए प्रति किलो के मुकाबले मामूली तेजी के साथ 2,39,620 रुपए प्रति किलो पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 1,169 रुपए या 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,596 रुपए प्रति किलो पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,38,933 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,40,620 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,430 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 67 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ गई है, जिससे सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों को लेकर निवेशकों की सतर्कता के कारण इसमें तेजी सीमित बनी हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि फेड की अगली फेड, जो कि अगले हफ्ते है, तक सोने और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

ईएसआईसी सुविधाओं के लिए आधार लिंक जरूरी, श्रम मंत्रालय का आदेश

नई दिल्ली (ए.)। सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के लाभार्थियों को अब सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत लाभों का निर्बाध और सुचारू रूप से लाभ उठाने के लिए अपने आधार को अपने ईएसआईसी पहचान कार्ड से लिंक करना अनिवार्य होगा।श्रम और रोजगार मंत्रालय ने एक पोस्ट में बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 142 के तहत ईएसआईसी लाभार्थियों के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। ईएसआईसी योजना के अंतर्गत आने वाले कारखानों और प्रतिष्ठानों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल लाभ प्रदान करता है।ईएसआईसी के अंतर्गत आमतौर पर 21,000 रुपए प्रति माह तक कमाने वाले कर्मचारी शामिल होते हैं, जबकि विकलांग व्यक्तियों के लिए वेतन सीमा 25,000 रुपए प्रति माह है।लाभार्थी आधिकारिक ईएसआईसी वेबसाइट के माध्यम से अपने आधार को अपने ईएसआईसी रिकॉर्ड से लिंक कर सकते हैं। वेबसाइट पर जाने के बाद बीमित व्यक्तियों को बीमित व्यक्ति और लाभार्थी अनुभाग का चयन करना होगा और अपने यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन करना होगा।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने विस्तार के लिए वैश्विक निवेशकों से जुटाए 9,825 करोड़ रुपए

अहमदाबाद,(ए.)। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने वैश्विक निवेशकों के एक कंसोर्टियम से प्राइमरी इक्विटी कैपिटल के रूप में 9,825 करोड़ रुपए (एक अरब डॉलर) जुटाए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एआईएल) की सहायक कंपनी एएएचएल ने कहा कि उनसे 18 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स से 9,825 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, यह साझेदारी अदाणी एयरपोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बनाने की दिशा में एक अहम पड़ाव है और इस सफर में हमारे साथ इतने बड़े और लंबे समय के लिए निवेश करने वाले निवेशक पाकर हम खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर देश की जीडीपी ग्रोथ को तेजी से बढ़ाने वाले सबसे अहम सेक्टर में से एक है। एयर कनेक्टिविटी में हर विस्तार से एयरपोर्ट गेट के बाहर भी व्यापार, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलता है।जीत अदाणी ने कहा, इन पार्टनर्स के सहयोग से, हम इस ग्रोथ से पहले ही निवेश करना जारी रखेंगे। हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, शहर-स्तर के डेवलपमेंट और नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस को बड़ा करेंगे ताकि दुनिया के सबसे बेहतरीन

इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म में से एक बनाया जा सके।

इस फंड का इस्तेमाल एएएचएल के पोर्टफोलियो में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और आधुनिकीकरण, एयरपोर्ट के आस-पास इंटीग्रेटेड अदाणी एयरपोर्ट सिटी इकोसिस्टम के डेवलपमेंट में तेजी लाने (जिसके पहले चरण में 22 मिलियन स्क्वायर फीट में मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट की योजना है) और यात्रियों से जुड़े और अन्य नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस (जैसे ग्राउंड हैंडलिंग बिजनेस) को बढ़ाना के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि इन निवेशों से सालाना 20 करोड़ (200 मिलियन) यात्रियों को सेवा देने की क्षमता बढ़ने, कमर्शियल कमाई के मौके बढ़ाने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और एएएचएल के इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट इकोसिस्टम को और मजबूत करने की उम्मीद है।

एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, हम एएएचएल को दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म बनाने के लिए इसकी क्षमताएं बढ़ाना जारी रखेंगे।उन्होंने आगे कहा कि इस लक्ष्य को भारत में तेजी से बढ़ते मौकों, भारतीय ग्राहकों की बढ़ती खर्च करने की क्षमता और देश के बड़े शहरी केंद्रों में हमारे सिटी-साइड डेवलपमेंट से बढ़ावा मिल रहा है, जो आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं।यह डील जुलाई 2026 में एईएल के सफल 15,000 करोड़ रुपए के क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के बाद हुई है, जो किसी नॉन-फाइनेंशियल कॉर्पोरेट द्वारा भारत का सबसे बड़ा क्यूआईपी था।

कंपनी ने कहा कि ये डील्स दिखाती हैं कि अदाणी पोर्टफोलियो की लंबे समय के लिए घरेलू और ग्लोबल इंस्टीट्यूशनल कैपिटल के बड़े स्रोतों तक लगातार पहुंच बनी हुई है।एएएचएल पूरे भारत में आठ एयरपोर्ट्स का मैनेजमेंट करती है और देश के कुल यात्री ट्रैफिक का 23 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा संभालती है।

नए सीईओ जॉन टर्नस के नेतृत्व में एप्पल का बड़ा इवेंट, नए प्रोडक्ट्स पर सबकी नजर

नई दिल्ली (ए.) ।टेक जगत में एप्पल अपने 'सरप्राइज एंड साइन' इवेंट की शुरुआत करने जा रहा है। कंपनी के नेतृत्व में 15 साल बाद हुए सबसे बड़े बदलाव के कारण इस इवेंट पर सबकी नजरें हैं। दरअसल, टिम कुक ने सीईओ पद छोड़ दिया है और वे अब कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बन गए हैं। अब एप्पल की कमान नए सीईओ जॉन टर्नस के हाथों में है और यह इवेंट उनके नेतृत्व में पहला बड़ा प्रोडक्ट लॉन्च हैपिछले 15 वर्षों से एप्पल के बड़े इवेंट की मेजबानी टिम कुक रहे हैं। लेकिन इस बार मुख्य कीनोट की कमान पहली बार नए सीईओ जॉन टर्नस संभाल रहे हैं। पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि टर्नस किस तरह कंपनी की नई दृष्टि और ऊर्जा को स्टेज पर पेश करते हैं। वैश्विक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जॉन टर्नस के नेतृत्व में, एप्पल तकनीकी बदलाव के एक अभूतपूर्व दौर में प्रवेश कर रही है। कंपनी अब केवल मामूली अपडेट्स करने के बजाय अपने हार्डवेयर पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। एप्पल के इतिहास में यह आयोजन एक बड़ा तकनीकी मोड़ साबित होने वाला है, क्योंकि कंपनी इस बार अपना पहला फोल्डेबल आईफोन पेश कर सकती है, जिसे बाजार में 'आईफोन अल्ट्रा' नाम दिए जाने की चर्चा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की रेस में प्रतिद्वंदी कंपनियों को टक्कर देने के लिए एप्पल इस इवेंट में बिल्कुल नया "सिरी एआई" असिस्टेंट पेश कर रही है। जॉन टर्नस के सामने एप्पल की एआई रणनीति को मजबूत करने और सिरी को अत्यधिक एडवांस बनाने की बड़ी चुनौती है, जिसके लिए कंपनी ने गूगल के साथ भी साझेदारी की है।

IPO से पहले रेंटोमोजो ने बताईं कारोबारी चुनौतियां

नई दिल्ली(ए.)। फर्नीचर और घरेलू उपकरण किराए पर उपलब्ध कराने वाली कंपनी रेंटोमोजो ने अपने 1,255.57 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में कई कारोबारी जोखिमों को चिन्हित किया है। कंपनी ने कहा है कि तीसरे पक्ष के आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता, कुछ चुनिंदा शहरों से अत्यधिक राजस्व प्राप्त होना और ग्राहकों द्वारा भुगतान में चूक उसकी वृद्धि और लाभप्रदता को प्रभावित कर सकते हैं।कंपनी ने कहा कि उसके कारोबार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बाहरी विक्रेताओं और निर्माताओं पर निर्भर है। यदि आपूर्ति में व्यवधान आता है, उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं या सामान की डिलीवरी में देरी होती है, तो कंपनी की इन्वेंट्री उपलब्धता, ग्राहक अनुभव और लाभ मार्जिन पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

आरएचपी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी के शीर्ष पांच एसेट सप्लायर्स का कुल पूंजीगत और परिचालन खर्च में 12.18 प्रतिशत योगदान था।

रेंटोमोजो ने अपने लिखित बयान में कहा है कि यदि वह वाणिज्यिक रूप से स्वीकार्य शर्तों पर उत्पाद खरीदने में असफल रहती है, या उसके तृतीय-पक्ष निर्माता उत्पादन बंद कर देते हैं अथवा गुणवत्ता मानकों को बनाए नहीं रखते, तो इससे कंपनी के कारोबार और साख दोनों पर असर पड़ सकता है।कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी भविष्य की वृद्धि नए ग्राहकों को जोड़ने और मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखने की क्षमता पर निर्भर है। यदि ग्राहक सदस्यता छोड़ने की दर बढ़ती है या नए ग्राहकों को जोड़ने की लागत बढ़ती है, तो लाभप्रदता पर दबाव आ सकता है।राजस्व के मामले में भी कंपनी ने एक महत्वपूर्ण जोखिम की ओर संकेत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में उसकी कुल आय का 89.51 प्रतिशत हिस्सा केवल 10 प्रमुख शहरों से आया। कंपनी का कहना है कि यदि इन शहरों में आर्थिक, नियामकीय या प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियां प्रतिकूल होती हैं, तो उसका कारोबार असमान रूप से प्रभावित हो सकता है। रेंटोमोजो ने ग्राहकों द्वारा भुगतान में देरी, किस्तों की अदायगी न करना और अनुबंधों को समय से पहले समाप्त करने को भी जोखिम बताया है। कंपनी के अनुसार, इससे किराये पर दिए गए उत्पादों पर मिलने वाला प्रतिफल कम हो सकता है और बकाया राशि की वसूली की लागत बढ़ सकती है।साथ ही, नए शहरों में विस्तार की योजना भी चुनौतियों से मुक्त नहीं है। कंपनी ने कहा कि वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करने और नए ग्राहकों को जोड़ने से जुड़ी कठिनाइयां विस्तार योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावित कर सकती हैं।

आरएचपी में यह भी उल्लेख किया गया है कि कंपनी के प्रवर्तक और कुछ निदेशक वर्तमान में कुछ कानूनी और नियामकीय मामलों का सामना कर रहे हैं। यदि इन मामलों का परिणाम प्रतिकूल रहता है, तो इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति, संचालन और प्रतिष्ठा पर असर पड़ सकता है।

कोफोर्ज के अंतरिक ऑडिट में सामने आई चिंताओं के बाद चेयरमैन ने दिया इस्तीफ, करीब 9 प्रतिशत गिरा स्टॉक

मुंबई (ए.)। मिडकैप आईटी कंपनी कोफोर्ज के अंतरिक ऑर्डट में कंपनी के बोर्ड मूल्यांकन प्रोसेस को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद कंपनी के नॉन-एग्जीक्यूटिव इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और चेयरमैन ओपी भट्ट ने इस्तीफा दे दिया है। भट्ट के इस्तीफे की खबर के बाद बुधवार को कोफोर्ज के शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई। अब तक के कारोबार में शेयर 1ह्य 1780.70 रुपए का इंट्रडे लो बनाया है, जो कि उसकी पिछली क्लोजिंग 1,950 रुपए के करीब 8.71 प्रतिशत कम है।फिलहाल सुबह 10:45 पर शेयर 4.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,862 रुपए पर था। रेगुलेटरी फाइलिंग में कोफोर्ज ने बताया कि उसके इंटरनल ऑडिटर ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के इंटरनल ऑडिट प्लान के तहत, बोर्ड इवैल्यूएशन प्रोसेस और उससे बनी बोर्ड इवैल्यूएशन रिपोर्ट (बीईआर) की समीक्षा की। यह प्रोसेस भट्ट की देखरेख में किया गया था। ऑडिट में बोर्ड के मूल्यांकन से जुड़ी जानकारी के प्रोसेस और उसके डिस्क्लोजर में कमियां पाई गईं, जिसमें चेयरमैन के प्रदर्शन के मूल्यांकन से जुड़ी जानकारी भी शामिल थी। फाइलिंग के अनुसार, जब बीईआर रिपोर्ट बोर्ड के सामने पेश की गई थी, तो उसमें मौजूद या उससे जुड़ी कुछ अहम जानकारी बोर्ड को पूरी तरह से नहीं बताई गई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में 'समृद्ध उपभोक्ताओं' की संख्या बढ़ना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढ़ना उसका ही परिणाम है।

मार्केट एजेंसी नीलसन-आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत 'समृद्ध उपभोक्ताओं' के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने 'समृद्ध उपभोक्ता' उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है।

इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है।

पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे। बढ़ती गैर-बराबरी के साथ ऐसा कर पाना अक्सर आसान नहीं होता। इसीलिए इस रिपोर्टों के बारे में भी कहा जाएगा कि इसकी अहमियत फिलहाल तात्कालिक सुखबोध तक सीमित है।

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए।

सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई।

दिल्ली में हादसों के शिकार पढ़ने वाले बच्चे ही क्यों?

राजधानी की प्रशासनिक व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न।

संजीव ठाकुर,

दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं यह उन लाखों सपनों की राजधानी भी है, जिन्हें लेकर देश के कोने-कोने से बच्चे, युवा और उनके परिवार यहाँ आते हैं। कोई आईएएस बनने का सपना लेकर आता है, कोई डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक बनने का। कोई छोटे से गाँव से चलकर दिल्ली की किसी कोचिंग की सीढ़ियाँ चढ़ता है और कोई अपने माता-पिता की वर्षों की बचत लेकर एक छोटे-से कमरे में अपना भविष्य खोजता है।लेकिन विडंबना देखिए,जिस दिल्ली में ये बच्चे भविष्य बनाने आते हैं, वही दिल्ली बार-बार उनके वर्तमान को छीन लेती है।सवाल अब केवल यह नहीं है कि दिल्ली में हादसे क्यों होते हैं। असली सवाल यह है कि बार-बार वही हादसे क्यों होते हैं और हर हादसे के बाद भी व्यवस्था क्यों नहीं जागती? कुव्यवस्था की भयावह तस्वीर हाल की सत्य निकेतन इमारत दुर्घटना ने फिर सामने रख दी। छात्र-आवास वाली बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की मृत्यु की रिपोर्ट सामने आई और अधिकांश पीड़ित विद्यार्थियों के होने से छात्र आवासों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न उठे।

सबसे पीड़ादायक बात यह है कि विद्यार्थी दिल्ली में केवल पढ़ाई की फीस नहीं देते। वे कमरा किराये पर लेते हैं, भोजन के लिए भुगतान करते हैं, परिवहन का खर्च उठाते हैं और अपने परिवारों की आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक कीमत पर अपने सपनों को खरीदने की कोशिश करते हैं।

तो क्या उन्हें बदले में केवल असुरक्षित कमरे मिलेंगे?क्या उनके लिए अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास और स्वच्छ जलनिकासी जैसी सुविधाएँ विलासिता हैं?

राजधानी में पढ़ने वाला विद्यार्थी नागरिक नहीं है क्या?

दिल्ली की प्रशासनिक समस्या का एक और गंभीर पहलू है जिम्मेदारी का बिखराव। नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन विभाग, विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन कई संस्थाएँ अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम करती हैं। लेकिन जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी अक्सर किसी एक छोटे कर्मचारी या किसी संचालक पर जाकर रुक जाती है।हाल की प्रशासनिक जाँचों के संबंध में रिपोर्टों में यह बात सामने आई है कि कई त्रासदियों में प्रणालीगत खामियाँ और प्रशासनिक लापरवाही चिन्हित हुईं, जबकि कार्रवाई अक्सर निचले स्तर

के कर्मचारियों तक सीमित रही।

यहीं लोकतंत्र की असली परीक्षा है।

यदि किसी इमारत को वर्षों तक नियमों के विरुद्ध चलने दिया गया, तो केवल चौकीदार या कनिष्ठ कर्मचारी दोषी कैसे हो सकता है?

27 जुलाई 2024 को ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राऊ आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। वे बच्चे किसी अपराध के लिए नहीं, पढ़ने के लिए दिल्ली आए थे। उनके हाथों में किताबें थीं, आँखों में सपने थे और परिवारों को उनसे उम्मीद थी। लेकिन एक बेसमेंट, बारिश और प्रशासनिक लापरवाही के त्रिकोण ने उन सपनों को हमेशा के लिए डुबो दिया।विडंबना यह है कि घटना के बाद अवैध बेसमेंट, संकरे रास्ते, अग्नि सुरक्षा और भवन नियमों की बातें सामने आईं। कार्रवाई भी हुई। बाद में दिल्ली में सैकड़ों कोचिंग सेंटरों और पुस्तकालयों पर कार्रवाई की गई; फरवरी 2026 तक 370 इकाइयों को सील किए जाने और 899 संस्थानों को कारण बताओ नोटिस दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई।

लेकिन प्रश्न फिर वही है—यदि इतनी बड़ी संख्या में संस्थान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, तो हादसे से पहले प्रशासन कहाँ था?

क्या किसी बच्चे की मृत्यु के बाद ही यह पता चलता है कि बेसमेंट में पुस्तकालय चल रहा था?

क्या किसी इमारत के गिरने के बाद ही उसके कमजोर होने का प्रमाण मिलता है?

क्या आग लगने के बाद ही अग्निशमन व्यवस्था की जाँच होती है?

और क्या किसी बच्ची के साथ अपराध होने के बाद ही सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा याद आती है?

हाल ही में दिल्ली में एक नाबालिग लड़की के साथ चलती स्लीपर बस में कथित सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने लड़की को बस में बैठाया और उसके साथ अपराध किया; मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना केवल अपराधियों की विकृत मानसिकता का प्रश्न नहीं है। यह सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, यात्रियों की सुरक्षा, ड्राइवर-कंडक्टर के सत्यापन और आपातकालीन व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है।दिल्ली ने 2012 की भयावह निर्भया घटना के बाद पूरे देश को बदलते हुए देखा। कानून बदले, व्यवस्थाओं के वादे हुए, सुरक्षा के आश्वासन दिए गए। लेकिन इतने वर्षों बाद भी यदि एक नाबालिग लड़की सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षित नहीं है, तो हमें स्वयं से पूछना होगा—हमने वास्तव में क्या बदला?

दिल्ली की त्रासदियों की सूची यहीं समाप्त नहीं होती।

2024 में विवेक विहार के एक बेबी केयर सेंटर में आग से सात नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई। यह ऐसी घटना थी जिसमें पीड़ितों ने जीवन देखना भी शुरू नहीं किया था। वे शिशु थे—न उन्हें व्यवस्था का ज्ञान था, न कानून का, न राजनीति का। उनकी सुरक्षा पूरी तरह वयस्कों और संस्थागत व्यवस्था पर निर्भर थी।और फिर दिल्ली में आग की घटनाएँ लगातार प्रशासन की क्षमता को चुनौती देती रही हैं। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार 2019-20 से 2025-26 के बीच दिल्ली में आग की घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मृत्यु हुई; 2024-25 में ही आग से 90 मौतें दर्ज की गईं।

यहाँ सवाल आग का नहीं, आग से पहले की तैयारी का है।

हर बार आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड पहुँचती है, राहत कार्य होता है, जाँच समिति बनती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ दिनों बाद शहर फिर उसी तरह चलने लगता है। लेकिन क्या उन इमारतों की नियमित जाँच होती है जिनमें लोग रोज रहते और काम करते हैं?

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

हरिशंकर व्यास

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे।

पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। 'एक देश, एक कानून' का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला।

एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई। इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है।

अगर प्रचार के लिए उपलब्धियों की बात करें तो उसकी सूची इतनी लंबी है कि कई पन्ने कम पड़ जाएंगे। एक बड़ी उपलब्धि आधार है, जिसका मुख्यमंत्री रहते मोदी ने विरोध किया था। प्रधानमंत्री बने तो आधार को हर चीज के लिए अनिवार्य किया गया। अब पता चला है कि आधार किसी काम का नहीं है। सोचें, एक समय पूरा देश अपने बैंक खाते आधार से जोड़ रहा था, वोटर आईडी आधार से जोड़ रहा था, पैन कार्ड को आधार से जोड़ रहा था और बाद में पता चला कि इनमें से किसी दस्तावेज का कोई खास मतलब नहीं है। देश का नागरिक अदालत में 16 दस्तावेज पेश करके भी अपने को नागरिक नहीं प्रमाणित कर पा रहा है।

लाल किले से पहले भाषण में प्रधानमंत्री ने सफाई और शौचालय की बात की। बहुत अच्छी बात थी। लेकिन अब कोई बात नहीं करता है। भारत दुनिया के सबसे गंदे शहरों वाला देश है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात होती है तो नौ भारत के होते हैं। लाल किले से पहले भाषण में जैम यानी जन धन खाता, आधार और मोबाइल की बात की और उसके जरिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की योजना चली। क्या उससे देश के लोगों का सशक्तीकरण हुआ? आधार, मोबाइल और जन धन खाता सिर्फ सरकारों की ओर से मिलने वाली मुफ्त की रेवड़ी के ट्रांसफर का माध्यम बना। खाता खुलने से न लोगों का बिजनेस चलने लगा और न नौकरी मिली। लेकिन इसका प्रचार होता है कि डीबीटी के जरिए कितने लाख करोड़ रुपए की बचत हो गई। एक तरफ डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से लाखों करोड़ रुपए बचाने की बात होती है और दूसरी ओर यूपीआई के इस्तेमाल पर शुल्क लगाने की बात कही जाती है। ऐसे ही विरोधाभासों में सरकार काम कर रही है।

उपलब्धियों के प्रचार में गिनाया जाता है कि सरकार ने फसल बीमा योजना लागू किया है, जिस पर कितने लाख करोड़ खर्च हुए हैं। हकीकत यह है कि लाखों की संख्या में किसान अब फसल बीमा योजना से बाहर निकल रहे हैं क्योंकि इससे उनको कोई फायदा नहीं हो रहा है। पूरे देश में 73 लाख किसान इस योजना से बाहर हो गए हैं, जिनमें से 37 लाख अकेले महाराष्ट्र के हैं। आयुष्मान भारत योजना से मुफ्त इलाज की बात हो रही है लेकिन वास्तविकता यह है कि आम लोगों की बजाय निजी अस्पताल और बीमा कंपनियां इसका लाभ ले रही हैं। ये दोनों बीमा योजनाएं विफलता का स्मारक हैं। यह वैसा ही है, जैसे लोगों ने नदी पर पुल बनाने को कहा तो सरकार ने उन्हें नदी पार करने के लिए नाव पकड़ा दी और कहा कि नाव वाले का किराया सरकार देगी। लोगों को अच्छे अस्पताल चाहिए, अच्छे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ चाहिए। उन्हें सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा चाहिए तो सरकार बीमा योजना पकड़ा रही है। किसानों को फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य या एक निश्चित आय् चाहिए तो सरकार बीमा योजना दे रही है। वैसे 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा था मोदी का। उलटे किसानों की खेती की लागत कई गुना बढ़ गई।उपलब्धियों के प्रचार में बताया जाता है कि पहले 74 हवाईअड्डे थे और अब 166 हो गए हैं। यह नही बताया जाता है कि उनमें से कितने बंद हो गए और कितने नाम के लिए चल रहे हैं। यह भी नहीं बताया जाता है कि पहले से चल रह मुनाफा कमाने वाले कितने हवाईअड्डे निजी कंपनियों और खास कर अडानी की कंपनी को दे दिए गए।

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी।

वृष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा, खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। साथ ही बच्चे भी आपसे खुश रहेंगे। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने का विचार कर सकते हैं। आज किसी भी कार्य में सफलता आपके हाथ जरूर लगेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपकी मेहनत के मुताबिक ही आपको फल मिलेगा, इसलिए मेहनत जारी रखे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दोगुनी मेहनत करने का दिन है। एक निर्धारित टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करेंगे तो आपकी सफलता के चांस बढ़ जायेंगे। जिन लोगों की जल्द ही शादी हुई है, वे आज एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको आय के नए-नए स्त्रोत मिलेंगे, जिससे आपको अच्छी इनकम होगी। आज ऑफिस में किसी सीनियर का सहयोग मिलने से काम में आसानी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी।

सिंह राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरूर ले लें। आज आपके व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी।

कन्या राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कोई ऐसी चीज हासिल कर पायेंगे, जिसकी आपको बहुत कम उम्मीद थी। आज आपके मन में नए-नए क्रिएटिव आइडियाज आयेंगे, जिनका आप बखूबी इस्तेमाल भी करेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके काम से खुश रहेगा। आपके जुनियर भी आपसे काम सीखने आयेंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। आज किसी पर भी तुरंत भरोसा ना करें, ये आपके लिये थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है। बिजनेस में लेन-देन का ख्याल रखें, कोई भी बड़ी डील करने से पहले सब कुछ अच्छे से जांच परख कर लें। जो महिलाएं गृह उद्योग शुरू करना चाहती हैं, उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकते है, घर में अच्छा माहौल बना रहेगा। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा समाधान मिल सकता है। एजुकेशन सेक्टर में काम कर रहे लोगों को आज अच्छा फायदा होगा।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास बनाये रखें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे, आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से कोई नई बात सीख सकते हैं। साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। आज आपका दिन पहले से ज्यादा बेहतर रहने वाला है। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये अच्छा है।

मीन राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप अपने विवेक का इस्तेमाल करके रुके हुए कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। पिता का सहयोग मिलने से काम समय से पूरा हो जायेगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की प्लानिंग बना सकता है।

हम इतने सभ्य हैं कि जहर भी बाँटकर देते हैं

[साँसों का ठेका भी अब शौक वालों के नाम]

[जहर देने वाला भी बेफिक्र, जहर पीने वाला भी बेखबर]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

हमारे देश में परोपकार की भावना बड़ी प्रबल है। आदमी अपने लिए समय न निकाले, पर दूसरों को धुआँ देने का समय जरूर निकाल लेता है। सिगरेट पीने वाला केवल खुद धुआँ नहीं पीता, आसपास के लोगों को भी मुफ्त में पिला देता है। खर्च एक का, जहर सबका—यही पैसिव स्मोकिंग है। लैंसेट पब्लिक हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में 3 लाख 25 हजार 600 लोगों की मौत इसी 'मुफ्त सेवा' से हुई, जबकि 1990 में यह संख्या 2 लाख 17 हजार 700 थी। तीस वर्षों में मौतों में करीब पचास प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। बेरोजगारी और महँगाई से जूझते देश में मौत का यह कारोबार भी बेखटके चल रहा है—न दुकान चाहिए, न लाइसेंस। धुआँ बड़ा लोकतांत्रिक है—उसे अमीर-गरीब, अपना-पराया कुछ नहीं दिखता। बस साँस लेता इंसान चाहिए। वह दरवाजा नहीं खटखटाता, सीधे फेफड़ों में उतर जाता है। हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी, अस्थमा, टाइप-2 डायबिटीज और स्तन कैंसर तक इससे जुड़े हैं। भारत में करीब 44 करोड़ 40 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। चीन के बाद दुनिया में दूसरा स्थान हमारा है। महिलाओं पर असर अधिक है, क्योंकि वे घर में ज्यादा समय बिताती हैं। 2023 में पैसिव स्मोकिंग से 1 लाख 56 हजार 900 महिलाओं और 1 लाख 68 हजार 700 पुरुषों की मौत हुई। धुआँ बराबरी करता है—साँस सबकी जाती है, धुआँ कोई और छोड़ता है।बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं और उसी भविष्य के सामने सिगरेट जला देते हैं। उनके फेफड़े अभी बन रहे होते हैं, मगर धुआँ तभी से अपना असर दिखाने लगता है। निचले श्वसन संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ता है। गर्भवती महिला के आसपास का धुआँ गर्भस्थ बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार पैसिव स्मोकिंग से हृदय संबंधी मौत का खतरा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। फिर भी घर में इसे बीमारी नहीं, 'माहौल' कहा जाता है। चाहे बच्चे खाँसें, आँखें जलें, साँस लेने में तकलीफ हो—माहौल खराब नहीं होना चाहिए। सिगरेट बुझ जाए तो ठीक, परिवार की समझ बुझ जाए तो कोई बात नहीं।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के कानून मौजूद हैं। बोर्ड लगे हैं, चेतावनियाँ लिखी हैं, नियम भी बने हैं—बस पालन करने वाला आदमी नहीं मिलता। रेस्तराँ के कोने में धुआँ उठता है, दफ्तर के गलियारे में सिगरेट जलती है, बस स्टैंड पर धुआँ फैलता है और कानून दीवार पर टँगा सब देखता रहता है। कभी-कभी पुलिसकर्मी भी सिगरेट पीते दिख जाते हैं। उनसे पूछिए कि धूम्रपान कैसे रोकेंगे, तो शायद कहें—पहले अपनी सिगरेट खत्म कर लेने दीजिए। कानून बनाना आसान है, लागू करना कठिन। इस धुएँ ने भारत के 9.28 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष छीन लिए। मगर फाइल में यह नुकसान बड़ा सभ्य दिखाई देता है।घर में धूम्रपान की अपनी सरकार होती है। पिता जी सिगरेट पी रहे हैं, बच्चा पास में पढ़ रहा है और माँ रसोई में खाना बना रही है। धीरे-धीरे घर में हवा कम, धुआँ ज्यादा हो जाता है। फिर भी इसे 'घर का मामला' कह दिया जाता है। अपना धुआँ दूसरों का भी अपना मान लिया जाता है। बच्चा कहे कि धुआँ परेशान करता है, तो उसे बड़ों की इज्जत करना सिखाया जाता है—मानो इज्जत का मतलब धुएँ में चुपचाप साँस लेना हो। सिगरेट पीने वाले की आजादी बचाने के लिए परिवार की साँस की आजादी कुर्बान कर दी जाती है। यह घरेलू लोकतंत्र है—वोट सबका, फैसला एक का।अस्पताल में यह विडंबना और भयावह हो जाती है। मरीज कहता है—'डॉक्टर साहब, मैंने जिंदगी में सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाया।' डॉक्टर रिपोर्ट देखते हैं और शरीर पर धूम्रपान के असर पाते हैं। मृत्यु प्रमाण-पत्र में हृदयाघात या कोई दूसरी बीमारी लिखी जाती है, पर कहानी में वह धुआँ भी मौजूद होता है, जिसे मृत व्यक्ति ने कभी जलाया ही नहीं था। दुनिया भर में करीब 2.71 अरब लोग पैसिव स्मोकिंग की चपेट में हैं और 2023 में करीब 16.6 लाख (1.66 मिलियन) मौतें इससे जुड़ी थीं। भारत इस समस्या में पीछे नहीं है। यहाँ आँकड़े भी तेजी से बढ़ते हैं। फर्क बस इतना है—आँकड़े नहीं मरते, आदमी मरता है।धुएँ का हिसाब अस्पताल में ही नहीं खुलता। बीमारी आई तो दवा, अस्पताल का बिल, काम से छुट्टी और परिवार की आय में कमी—सब साथ आते हैं। सरकार स्वास्थ्य बजट बढ़ाती है, पर धुएँ से होने वाले आर्थिक नुकसान का पूरा हिसाब सामने नहीं आता। यह उस चोर जैसा है जो रोज घर से कुछ चुराता है और घरवाला हर बार नया सामान खरीदता है, चोर को नहीं रोकता। धुआँ भी रोज स्वास्थ्य चुराता है—पहले साँस, फिर ताकत, फिर काम करने की क्षमता और कभी-कभी जीवन। हम इलाज पर खर्च करते हैं, पर बीमारी की जड़ रोकने पर उतने गंभीर नहीं।

तमिलनाडु : कल्लाकुरिची में 20 सेंट जमीन के लिए बेटे ने पिता की हत्या कर शव कुएं में फेंका

कल्लाकुरिची, (आरएनएस)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले के उलुंदुरपेट के पास ज़मीन के 20-सेंट के एक टुकड़े को लेकर कथित तौर पर एक बेटे ने अपने 84 साल के पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उनके शव को खेत के कुएं में फेंक दिया। संपत्ति के विवाद से जुड़ी इस चौंकाने वाली घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

कुन्नथुर गांव के रहने वाले मृतक पोन्नुसामी के दो बेटे शिवशंकर और शिवकुमार है। पोन्नुसामी के पास 2.50 एकड़ जमीन थी, जिसमें से उन्होंने 1.10-1.10 एकड़ जमीन अपने दोनों बेटों के बीच बांट दी थी और बाकी बची 20-सेंट जमीन अपने पास रखी थी। चूंकि उनका बड़ा बेटा शिवशंकर दिल्ली में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करता था, इसलिए पोन्नुसामी उसकी जमीन की भी देखभाल करते थे। इस बीच, शिवकुमार कथित तौर पर अपने पिता से बार-बार झगड़ा कर रहा था और बची हुई 20-सेंट जमीन अपने नाम करवाने की मांग कर रहा था।

घटना वाले दिन, जब बुजुर्ग पोन्नुसामी अपने खेत में कुएं से पानी निकाल रहे थे तो शिवकुमार की उनसे बहस हो गई। बहस बढ़ने पर शिवकुमार ने कथित तौर पर पास पड़ी लकड़ी की लाठी से अपने पिता पर कई बार हमला किया। पोन्नुसामी के बेहोश होने के बाद शिवकुमार ने उन्हें उठाया और खेत के कुएं में फेंक दिया और फिर वहां से भाग गया। बाद में कुएं में ही पोन्नुसामी की मौत हो गई।

पोन्नुसामी का शव मिलने पर पड़ोसियों ने कल्लामर्थुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए उलुंदुरपेट सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस की जांच में पता चला कि हत्या संपत्ति के विवाद को लेकर की गई थी। फरार चल रहे शिवकुमार को गिरफ्तार कर लिया गया और हत्या का मामला दर्ज करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जमीन के महज 20-सेंट के टुकड़े के लिए पिता की बेरहमी से हत्या की इस घटना से उलुंदुरपेट इलाके में गहरा दुख और सदमा है।

गणेशोत्सव पर कोंकण जाने वाले भक्तों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा, 11 से 27 सितंबर तक टोलमाफी

मुंबई,(आरएनएस)। गणेशोत्सव के अवसर पर कोंकण स्थित अपने गांव जाने वाले गणेश भक्तों को महाराष्ट्र सरकार ने राहत दी है। राज्य सरकार ने 11 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक कोंकण की ओर जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को टोलमाफी देने का फैसला किया है। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोंसले ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सरकार ने टोलमाफी के लिए अलग पास और स्टिकर की भी व्यवस्था की है, जो वापसी की यात्रा में भी मान्य होंगे।

सरकार के अनुसार, यह छूट मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग-48, मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 और लोक निर्माण विभाग तथा महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के अंतर्गत आने वाले कोंकण मार्गों पर स्थित टोल नाकों पर लागू होगी। इसके अलावा, नगर विकास विभाग के अधीन अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु से कोंकण जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को भी टोलमाफी का लाभ मिलेगा।

गणेशोत्सव के दौरान मुंबई, ठाणे, पुणे समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग कोंकण स्थित अपने मूल गांव जाते हैं। इस कारण मुंबई-गोवा राजमार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों पर वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है। सरकार का कहना है कि टोलमाफी से श्रद्धालुओं पर यात्रा का अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम होगा और उनका सफर अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। टोलमाफी का लाभ लेने के लिए 'गणेशोत्सव 2026 कोंकण दर्शन' लिखे स्वतंत्र स्टिकर या पास उपलब्ध कराए जाएंगे। पास पर वाहन का नंबर और चालक का नाम दर्ज होगा। पुलिस स्टेशन, यातायात पुलिस चौकियों और आरटीओ क

मनोज जरांगे बोले- 'सरकार को घुटनों पर लाएंगे', मराठा समाज के लोगों से की आत्महत्या न करने की अपील

मुंबई ,(आरएनएस)। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने चेतावनी दी है कि मराठा समाज मुंबई आने के लिए तैयार है। हम सरकार को घुटनों पर लाएंगे। मराठा समाज पीछे नहीं हटेगा। इसके साथ ही, मनोज जरांगे ने मराठा समाज से अपील करते हुए कहा कि हमें लड़ाई लड़नी है, लेकिन कोई भी आत्महत्या न करे।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनरत मनोज जरांगे ने कहा कि अगर मराठा समाज के लोग आत्महत्या करते हैं, तो सरकार को उसका कोई दुख नहीं है। सरकार ने मराठों की जान ली है और इसका बदला जरूर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं आरक्षण लिए बिना चुप नहीं बैठूंगा। चार दिन देर होगी, लेकिन आरक्षण निश्चित रूप से मिलेगा। आपमें से कोई भी आत्महत्या मत करो, यह हाथ जोड़कर विनती है। सरकार की मराठों के प्रति भूमिका यह है कि सरकार ने मराठों का विनाश करने का तय किया है। ऐसे समय में हम सभी को एकजुट होकर संकट का सामना करना होता है। हताश होकर आत्महत्या नहीं करनी होती। हमें सरकार का सामना करना होता है। हम मराठी हैं, हमें उन्हें घुटनों पर लाना है।

कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के 15 ठिकानों पर ईडी का छापा

बेंगलुरु (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार सुबह कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री सतीश जारकीहोली के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कर्नाटक के आबकारी विभाग में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में की गई है।

जानकारी के मुताबिक, ईडी ने बेंगलुरु, बेलगावी और गोवा में करीब 15 जगहों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके तहत बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी स्थित जारकीहोली के निजी आवास पर भी छापा मारा गया। इसके अलावा बेलगावी स्थित उनके घर और बेंगलुरु में सरकार द्वारा आवंटित सरकारी आवास पर भी तलाशी ली गई।

अधिकारियों के अनुसार, 25 से ज्यादा ईडी अधिकारियों की टीम करीब 18 गाड़ियों में गुरुवार सुबह 7 बजे पहुंची और तलाशी शुरू की। इस दौरान सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 11 से 14 सितंबर तक बारिश के आसार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मानसून की सक्रियता और मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब दिल्ली-एनसीआर समेत मैदानी इलाकों में भी दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रह सकते हैं।

खासतौर पर 11 सितंबर से 14 सितंबर के बीच एनसीआर के मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान में भी दिल्ली के लिए 11 सितंबर से हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार 9, सितंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

10 सितंबर को भी मौसम लगभग इसी तरह रहने का अनुमान है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम में वास्तविक बदलाव 11 सितंबर से देखने को मिल सकता है। इस दिन मौसम विभाग ने आम तौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश का पूर्वानुमान

जारी किया है। अधिकतम तापमान घटकर 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।12 सितंबर को बारिश की गतिविधि और बढ़ सकती है। स्थानीय पूर्वानुमान में आम तौर पर बादल छाए रहने के साथ मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इस दिन अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 13 सितंबर को भी एनसीआर में मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने की संभावना है। आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 14 सितंबर को भी मौसम में खास बदलाव नहीं होगा। आसमान में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान और नीचे आकर 30 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस तरह देखा जाए तो 9 और 10 सितंबर को अपेक्षाकृत गर्म और आंशिक रूप से बादल वाला मौसम, जबकि 11 से 14 सितंबर के बीच बादल और बारिश का प्रभाव अधिक रहने की संभावना है। चार दिनों में अधिकतम तापमान 32 से घटकर 30 डिग्री तक पहुंच सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका के कोलंबो में आईपीकेएफ मेमोरियल का दौरा किया और ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

भारत-जापान का 'वीर गार्जियन' अभ्यास, जोधपुर में गरजेंगे एफ-2 लड़ाकू विमान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय वायुसेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' बुधवार से जोधपुर में शुरू हो गया। 9 सितंबर से प्रारंभ हुआ यह अभ्यास 22 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभ्यास का उद्देश्य भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

जापान के एफ-2 लड़ाकू विमानों की भागीदारी इस अभ्यास में देखने को मिलेगी। जापानी एफ-2 लड़ाकू विमानों को मौजूदगी भी इस अभियान को खास बनाती है। दोनों देशों के वायु योद्धा यहां एक-दूसरे के ऑपरेशनल तौर-तरीकों को समझने के साथ-साथ संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर समन्वय विकसित करेंगे। यह 'वीर गार्जियन' का दूसरा संस्करण है। अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जापानी वायुसेना की टुकड़ी पहले ही जोधपुर पहुंच गई है।

जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो सी-2 परिवहन विमान जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर उतरे थे। इनके पहुंचने के साथ ही जापानी दल ने अभ्यास में अपनी भागीदारी शुरू कर दी है। वायुसेना के मुताबिक, 'वीर गार्जियन 2026' के दौरान दोनों देशों की वायु सेनाएं विभिन्न हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल, युद्धक क्षमताओं और आपसी समझ को बेहतर बनाना है।

जोधपुर का आसमान आने वाले दिनों में भारत और जापान के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की गतिविधियों का गवाह बनेगा।

तमिलनाडु : मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु की मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। इसके साथ ही चेंगलपट्टू और तिरुप्पुर जिलों में चुनावी मशीनरी सक्रिय हो गई है। उम्मीदवार 16 सितंबर तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चुनाव कार्यालयों में दस्तावेज प्राप्त करने और उनकी जांच के लिए व्यवस्था की है जबकि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं।

आरक्षित सीट धारापुरम में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में चुनाव कार्यालय स्थापित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी फेलिक्स राज तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कार्यालय में नामांकन फॉर्म तैयार रखे गए हैं और निगरानी कैमरे लगाए गए हैं।

यह उपचुनाव एआईएडीएमके विधायक सत्यभामा के इस्तीफे के बाद जरूरी हुआ है, जिन्होंने चार महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में यह सीट जीती थी। चुनाव आयोग ने बाद में इस सीट को खाली घोषित कर उपचुनाव की घोषणा की। धारापुरम में उल्लंघन और बेहिसाब नकदी की आवाजाही पर नजर रखने के लिए नौ उड़नदस्ते (फ्लाइंग स्क्वॉड) बनाए गए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना वैध दस्तावेजों के 50,000 रुपए से अधिक की राशि ले जाने पर पैसा जब्त किया जा सकता है।

मदुरांतकम में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। चेंगलपट्टू जिला प्रशासन ने शिकायतें प्राप्त करने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कलेक्ट्रेट में एक चुनाव नियंत्रण कक्ष खोला है। आम लोग 1950, 1800-425-7088 और 044-27427412 हेल्पलाइन नंबरों पर कभी भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

ट्रैफिक नियम तोड़े तो कटेगा प्वाइंट और रद्द होगा लाइसेंस, नितिन गडकरी ने किया नए निगेटिव सिस्टम का ऐलान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सड़क पर बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़कर बच निकलने वाले वाहन चालकों पर केंद्र सरकार अब तक का सबसे बड़ा शिकंजा कसने जा रही है। अब सिर्फ जुर्माना भरकर छूट पाना संभव नहीं होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नियम तोड़ने वालों के लिए कड़े 'निगेटिव पॉइंट सिस्टम' का ऐलान किया है। इस व्यवस्था के लागू होते ही हर बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइवर के ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट से सीधे पॉइंट कटेंगे। 66वें सियाम वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि देश में बढ़ते सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए यह सख्त कदम उठाया जा रहा है।

तय सीमा से ज्यादा पॉइंट कटते ही लाइसेंस होगा सस्पेंड या रद्द

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, मंत्रालय ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी के लिए एक ग्रेडेड पॉइंट सिस्टम का पूरा फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है। नए नियमों के तहत जब भी कोई चालक सिग्नल जंप करेगा, ओवरस्पीडिंग करेगा या कोई अन्य नियम तोड़ेगा, तो उसके खाते से पॉइंट कम हो जाएंगे। जैसे ही कटे हुए निगेटिव पॉइंट एक तय सीमा को पार करेंगे, प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के पास उस ड्राइवर का लाइसेंस अस्थाई रूप से सस्पेंड करने या हमेशा के लिए कैंसिल करने का पूरा अधिकार होगा। इस कदम से आदतन लापरवाही बरतने वाले ड्राइवरों पर सीधी रोक लगेगी।

सड़क पर समझदारी दिखाने वालों को मिलेगा सस्ता इंश्योरेंस

यह नया सिस्टम केवल नियम तोड़ने वालों को दंडित करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनुशासित ड्राइवरों को इसका सीधा वित्तीय फायदा भी मिलेगा। गडकरी ने स्पष्ट किया कि जिनका ड्राइविंग रिकॉर्ड साफ-सुथरा और सुरक्षित रहेगा, उन्हें सरकार और बीमा कंपनियों की तरफ से पुरस्कृत किया जाएगा। ऐसे अच्छे ड्राइवरों को इंश्योरेंस प्रीमियम में भारी छूट और अन्य सुविधाएं दी जा सकती हैं, ताकि सड़क पर सुरक्षित ड्राइविंग को बढ़ावा मिले और अच्छे व लापरवाह ड्राइवरों के बीच साफ अंतर तय हो सके।

पुरानी बीएस-4 गाड़ियों के लिए 5 हजार का नया डिवाइस, अक्टूबर 2027 से भारत एनसीएपी 2.0

सम्मेलन के दौरान गडकरी ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों को बड़ी राहत देते हुए बताया कि करीब 4,000 से 5,000 रुपये की कीमत वाला नया एमिशन कंट्रोल डिवाइस तैयार कर लिया गया है। ट्रायल पूरे हो चुके हैं और इसे पुरानी बीएस-4 गाड़ियों में लगाने के बाद उनका प्रदूषण स्तर बीएस-6 के बराबर हो जाएगा। इसके अलावा सड़क हादसों में हर साल जाने वाली 1.80 लाख से ज्यादा जानों को बचाने के लिए अक्टूबर 2027 से 'भारत एनसीएपी 2.0' लागू किया जाएगा। ड्राइवरों की बेहतर ट्रेनिंग के लिए देशभर में 1,600 नए ड्राइविंग सेंटर खोले जा रहे हैं, जिससे भारत का ऑटोमोबाइल सेक्टर और सड़कें दोनों ज्यादा सुरक्षित बन सकेंगी।

राहुल के जनता दरबार में उमड़ी भीड़, लोगों की सुनी समस्याएं, सपा कार्यकर्ताओं ने भी की मुलाकात

रायबरेली,(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के अंतिम दिन बुधवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। सुबह करीब नौ बजे शुरू हुए जनता दरबार में राहुल गांधी ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। गेस्ट हाउस के बाहर लोगों की लंबी कतार नजर आई, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के तहत एक-एक व्यक्ति को अंदर प्रवेश दिया गया।

जनता दरबार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दे उनके सामने रखे। इससे रायबरेली में कांग्रेस और सपा के बीच राजनीतिक समन्वय की तस्वीर भी सामने आई।मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अखिलेश माही ने राहुल गांधी से मुलाकात कर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए रायबरेली के राजेंद्र यादव के नाम पर स्मारक और चौराहा बनवाने की मांग की। माही ने कहा कि राजेंद्र यादव देश की सेवा करते हुए शहीद हुए थे, लेकिन अब तक रायबरेली में उनके नाम पर न तो प्रतिमा स्थापित हुई और न ही स्मारक बनाया गया।

अखिलेश माही के मुताबिक, उन्होंने राहुल गांधी से शहीद के सम्मान में स्मारक और चौराहा बनवाने का आग्रह किया, जिस पर राहुल गांधी ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बड़े नेता हैं और उनके सहयोग से इस बार भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। जनता दरबार में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तीखा हमला, बोले-अहीर और जहीर' आपको निपटा देंगे

लखनऊ ,(आरएनएस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा और तीखा सियासी हमला बोला है। राजभर ने प्रदेश में हालिया आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपने 'अहीर' और 'जहीर' को नियंत्रित करें, नहीं तो 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी 27 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। मंत्री राजभर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि अखिलेश भाई अपने 'अहीर' और 'जहीर' को कंट्रोल कीजिए महाराज। ये बहुत अति मचाये हुए हैं। समाज का तो अहित कर ही रहे हैं, आपको भी ये निपटा देंगे। उन्होंने कहा कि अभी कल की ही घटना देख लीजिए। झांसी में आपका 'अहीर', जो कि सरकारी मास्टर है, उसने एक व्यापारी, जो कि बनिया समाज से आते हैं, उनका अपहरण कर लिया।

दिमागी नक्सल' पर पी. चिदंबरम ने भगवा आतंकवाद की गढी थी झूठी कहानी : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम,(आरएनएस)। केरल भाजपा के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सार्वजनिक रूप से भगवा आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया था।

राजीव चंद्रशेखर ने एक्स पोस्ट में कहा, जब से पी. चिदंबरम ने यह साफ कर दिया है कि वे और कांग्रेसी दिमागी नक्सली हैं, तब से यह जानना जरूरी हो गया है कि वे किस चीज में विश्वास करते हैं, उनकी विचारधारा किस पर आधारित है? हम जानते हैं कि वे नक्सलियों के प्रति नरम रुख रखते हैं, जबकि उनकी अपनी पार्टी के लोग मारे जा चुके हैं। हम जानते हैं कि वे पाकिस्तान और चीन के प्रति नरम हैं जबकि इतने सारे लोग आतंकवाद का शिकार हुए हैं और सशस्त्र बलों के बहादुर जवानों ने बलिदान दिया है।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही कांग्रेसी 'भगवा आतंकवाद' की झूठी कहानी गढ़ने वाले भी थे? इस तरह के कांग्रेसी 'दिमागी नक्सल' खुद को बड़े बुद्धिजीवी होने का दिखावा करते हैं और समाज में बंटवारा, अफरा-तफरी, अराजकता और भ्रष्टाचार फैलाते हैं। साथ ही तरक्की, इनोवेशन और विकास की रफ्तार धीमी करते हैं। क्या यह मेरी थ्योरी है? नहीं। इसका सबूत है केंद्र में कांग्रेस सरकार के 10 साल के कार्यकाल का अध्ययन करें, केरल में मौजूदा कांग्रेस सरकार को देखें।

इससे पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा था, जब गृह मंत्री और वित्त मंत्री के तौर पर 'दिमागी नक्सल' वाले लोग हों, तो देश और वहां के लोगों को यही सब झेलना पड़ता है। खुद को बुद्धिजीवी कहने वालों की तरफ से फैलाई गई ये उधार की वामपंथी विचारधाराएं अपने पीछे सिर्फ अफरा-तफरी, अराजकता, तबाही और मौत ही छोड़ती हैं।

अमेरिका-ईरान में फिर बढ़ा तनाव, पांच तेल टैंकरों पर अमेरिकी हमला; जवाब में ईरान ने दागीं 20 बैलिस्टिक मिसाइलें

वाशिंगटन/तेहरान, (आरएनएस) । अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने 8 सितंबर को ओमान की खाड़ी और ईरान के खार्ग द्वीप के पास ईरान से जुड़े पांच तेल टैंकरों को निशाना बनाकर हमला किया। अमेरिका ने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से अमेरिकी युद्धपोतों को निशाना बनाने की कोशिशों के जवाब में की गई।

इसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने की ओर 20 बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया। इस घटनाक्रम से खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है तथा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंता पैदा हो गई है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया कि 8 सितंबर को अमेरिकी सेना ने ईरान का कच्चा तेल ले जा रहे पांच जहाजों को नष्ट किया। इन जहाजों के नाम एमटी कविज, एमटी चारमीनार, एमटी होराइजन-1, एमटी रीस्को और एमटी डेर्या बताए गए हैं।

इनमें से चार जहाजों पर ओमान की खाड़ी में हमला किया गया, जबकि एमटी डेर्या को ईरान के खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया।

अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, हमले से पहले जहाजों के चालक दल को उन्हें छोड़ने का आदेश दिया गया था। इसके बाद जहाजों को निष्क्रिय कर दिया गया। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि आईआरजीसी ने पिछले दो दिनों में दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों को निशाना बनाने का प्रयास किया था।

अमेरिका ने दावा किया कि उसके युद्धपोतों ने इन हमलों की कोशिशों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया और क्षेत्र में गश्त जारी रखी। इस दौरान किसी अमेरिकी सैनिक के घायल होने या मारे जाने की सूचना नहीं है।

अमेरिकी हमले के जवाब में ईरान ने जॉर्डन के अल-अजराक हवाई अड्डे पर तैनात अमेरिकी सैन्य दलों को निशाना बनाने का दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन के अधिकारियों ने बताया कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ने दागी गई 20 मिसाइलों में से 18 को नष्ट कर दिया, जबकि दो मिसाइलें खुले इलाकों में जाकर गिरीं।

हालांकि, आईआरजीसी ने अल-अजराक हवाई अड्डे पर किए गए हमले को भीषण बताते हुए दावा किया कि मिसाइल हमले में अमेरिकी लड़ाकू विमानों के हैंगर नष्ट हो गए। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में 10 जहाजों पर हमला करने का भी दावा किया है। ईरान के मुताबिक, इनमें दो अमेरिकी जहाज और आठ तेल टैंकर शामिल हैं।

यूक्रेन-रूस के बीच बिना शर्त युद्धविराम जरूरी, यूएन प्रमुख गुटेरेस ने की अपील

संयुक्त राष्ट्र (ए.)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हाल की कूटनीतिक कोशिशों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत फिर से शुरू होगी। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी।मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हाल में अमेरिकी वरिष्ठ दूतों की मॉस्को और कीव यात्राओं समेत कई कूटनीतिक प्रयासों से गुटेरेस उत्साहित हैं। दुजारिक ने कहा, महासचिव को उम्मीद है कि हाल की पहल यूक्रेन और रूस के बीच फिर से बातचीत शुरू करने का रास्ता बनाएगी। इससे तुरंत, पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम की दिशा में प्रगति हो सकती है, जो आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संयुक्त राष्ट्र के संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप एक न्यायपूर्ण, व्यापक और स्थायी शांति स्थापित करने में मदद करेगी।

आईआरजीसी का दावाः होर्मुज स्ट्रेट से पकड़ी अमेरिका की आधुनिक और उन्नत मानव रहित पनडुब्बी

तेहरान (ए.)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने अमेरिकी पनडुब्बी को पड़ने का दावा किया। आईआरजीसी ने बताया कियह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश क्षेत्र में की गई। कब्जे में ली गई यह पनडुब्बी अमेरिकी सेना की सबसे आधुनिक और उन्नत मानव रहित पनडुब्बियों में से एक है। मंगलवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी की आधिकारिक समाचार एजेंसी सेपाह न्यूज में जारी बयान के अनुसार, इस मानव रहित पानी के भीतर काम करने वाले वाहन को एक जटिल खुफिया और सैन्य अभियान के दौरान कब्जे में लिया गया।आईआरजीसी ने बताया कि इस पानी के भीतर चलने वाले वाहन की पहचान 'डाइव-एलडी' के रूप में हुई है। उसके अनुसार, यह दुनिया की सबसे आधुनिक अंडरवॉटर वाहन तकनीक से लैस है। संगठन ने कहा कि इसकी तस्वीरें अगले कुछ घंटों में जारी की जाएंगी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने सेपाह न्यूज के हवाले बताया कि आईआरजीसी ने मंगलवार को एक अलग बयान में कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे एक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है।आईआरजीसी के इस दावे के बाद अमेरिकी सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि उसका एक पानी के भीतर काम करने वाला ड्रोन क्षेत्रीय जल क्षेत्र के सर्वेक्षण के दौरान एक दिन पहले तकनीकी खराबी का शिकार हो गया था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि उस उपकरण को ईरान ने कब्जे में लिया है या नहीं।इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार को कहा कि उनका देश पूरी ताकत के साथ अपना प्रतिरोध जारी रखेगा, जब तक कि 'आक्रमण करने वालों' को अपने कदमों पर पूरी तरह पछतावा न हो जाए।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान हमेशा युद्ध का विरोध करता रहा है। पेजेक्यिन ने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान हमेशा युद्ध के खिलाफ रहा है। हमारा मानना है कि लोगों के हितों की रक्षा और पश्चिम एशिया क्षेत्र की सुरक्षा बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका युद्ध भड़काने से बचना है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जिस तरह ईरान ने अब तक साहस के साथ हर आक्रमण का मुकाबला किया है, उसी तरह वह आगे भी पूरी ताकत के साथ अपना प्रतिरोध जारी रखेगा, जब तक कि आक्रमण करने वालों को अपने किए पर पूरा पछतावा न हो जाए। ईरान अपने महान लोगों के अधिकारों की रक्षा करता रहेगा।28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल तथा क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइलों और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाईं।

डीआर कांगो में इबोला का प्रकोपः अलग-अलग रूप ले रही महामारी, मृत्यु दर में तेजी ने बढ़ाई चिंता

किंशासा (आरएनएस) । कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में फैला इबोला संक्रमण अब तेजी से अलग-अलग रूप लेता हुआ दिखाई दे रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा बाहरी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित प्रांतों और स्वास्थ्य क्षेत्रों में संक्रमण का फैलाव एक जैसा नहीं है। कुछ इलाकों में मामले कम हो रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर संक्रमण बढ़ रहा है और नए क्षेत्रों तक फैल रहा है।मंगलवार (स्थानीय समय) को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, यह स्थिति दिखाती है कि महामारी अब अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रुख अपना रही है। कुछ जगहों पर संक्रमण कम हो रहा है, लेकिन दूसरी जगहों पर यह तेजी से बढ़ रहा है और नए इलाकों में फैल रहा है। रिपोर्ट में एक चिंताजनक पहलू यह बताया गया है कि अब अधिक लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले ही समुदाय के भीतर अपनी जान गंवा रहे हैं। सिहुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच, पुष्टि किए गए कुल मौतों में से 75 प्रतिशत मौतें समुदाय के भीतर हुईं। रिपोर्टिंग अवधि में यह सबसे अधिक साप्ताहिक अनुपात है। दो सप्ताह पहले यह आंकड़ा 56.6 प्रतिशत था।

सिंगापुर में प्रधानमंत्री और मंत्रियों के वेतन में भारी बढ़ोतरी, लॉरेंस वोंग की सालाना कमाई 27 करोड़ रुपये के करीब, ट्रंप से 7 गुना ज्यादा

सिंगापुर (आरएनएस) । सिंगापुर सरकार ने प्रधानमंत्री, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इस बदलाव के बाद प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के सालाना वेतन में करीब 64 प्रतिशत यानी लगभग 11 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही उनका सालाना वेतन करीब 27 करोड़ रुपये पहुंच जाएगा।

वेतन में इस बढ़ोतरी के बाद वोंग दुनिया के सबसे अधिक वेतन पाने वाले प्रधानमंत्रियों में अपनी स्थिति और मजबूत करेंगे। उनका वेतन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सालाना वेतन से करीब सात गुना अधिक होगा। ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर सालाना करीब 3.79 करोड़ रुपये वेतन मिलता है।

सरकार के नए वेतन ढांचे के तहत सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री का निर्धारित सालाना वेतन 14.02 करोड़ रुपये से बढ़कर 22.94 करोड़ रुपये हो जाएगा।

वहीं, मंत्रिमंडल के मंत्रियों को उनकी वरिष्ठता और विभागीय जिम्मेदारियों के आधार पर 13.5 करोड़ रुपये से लेकर 21.59 करोड़ रुपये तक सालाना वेतन मिलेगा। यानी अलग-अलग मंत्रियों के वेतन में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के अनुसार अंतर होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये निर्धारित वेतन हैं और मौजूदा राजनीतिक पदाधिकारियों को बढ़ी हुई पूरी राशि तत्काल नहीं मिलेगी। मौजूदा पदाधिकारियों को 15 अक्टूबर से अधिकतम 9 प्रतिशत तक का एकमुश्त समायोजन दिया जाएगा। इसके अलावा वेतन का एक हिस्सा संबंधित व्यक्ति के प्रदर्शन और उसकी जिम्मेदारियों के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा है कि वह वेतन में हुई बढ़ोतरी की राशि को दान करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक वेतन को सिंगापुर में एक कठिन और भावनात्मक मुद्दा बताया।वोंग ने कहा कि मुख्य सवाल यह है कि क्या सिंगापुर देश को आगे ले जाने के लिए जरूरी गुणवत्ता वाले राजनीतिक नेतृत्व को आकर्षित करना जारी रख सकता है।

उन्होंने कहा, अच्छी सरकार अच्छे नेतृत्व पर निर्भर करती है। सिंगापुर में राजनीतिक पदों के वेतन को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही है। सरकार का तर्क है कि वरिष्ठ राजनीतिक पदों पर सक्षम और अनुभवी लोगों को आकर्षित करने तथा उन्हें बनाए रखने के लिए वेतन प्रतिस्पर्धी होना चाहिए। नए वेतन ढांचे में भी इसी विचार को प्रमुख आधार बनाया गया है।

फीचर

पूनम पांडे ने सिल्वर शिमरी गाउन में ढाया कहर, बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

बॉलीवुड और मॉडलिंग की दुनिया में अपने बेबाक अंदाज और बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाने वाली पूनम पांडे अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। हाल ही में पूनम पांडे ने अपने नए फोटोशूट की बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में पूनम पांडे बेहद खूबसूरत और सिजलिंग सिल्वर शिमरी स्ट्रैपलेस गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह ड्रेस पूरी तरह से सेक्विन और मैटेलिक शिमर वर्क से सजी हुई है, जो लाइट की रोशनी में जबरदस्त स्पार्कल इफेक्ट दे रही है।

ड्रेस का अपर हाफ ट्यूब/स्ट्रैपलेस पैटर्न में है, जिसमें प्लंजिंग नेकलाइन और बस्ट एरिया पर बारीक क्रिस्टल एम्ब्रॉइडेरी का काम किया गया है। गाउन में दिया गया हाई-थाई स्लिट पूनम के टोंड लेग्स को खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है और उनके ओवरऑल लुक में एक बोल्ड तड़का लगा रहा है।इस स्टनिंग सिल्वर आउटफिट के साथ पूनम ने एक्सेसरीज को मिनिमल रखा है। उन्होंने गले में एक बारीक सिंगल-लाइन डायमंड चोकर नेकलेस और कानों में मैचिंग डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स पहने हैं। इसके अलावा उंगलियों में पहनी गई डायमंड रिंग्स उनके लुक को एक रॉयल और एलिगेंट टच देती हैं। मेकअप के मामले में पूनम ने ट्रेंडिंग सॉफ्ट न्यूड ग्लैम लुक को चुना है। हाइलाइटेड चीकबोन्स और फ्लॉलेस बेस, उनकी स्किन को एकदम ग्लोइंग बना रहा है। उन्होंने अपने बालों को साइड-पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेवी कर्ल्स में खुला छोड़ा है।

मिर्जापुरः द मूवी और हनुमान अंश ने मिलकर लूटा बॉक्स ऑफिस, टॉक्सिक की बत्ती गुल

अली फजल और पंकज त्रिपाठी की फिल्म मिर्जापुरः द मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर 4 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म का भौकाल पहले दिन से दर्शकों के सिर पर चढ़कर बोल रहा था, जिसका असर वीकेंड की कमाई में देखने को मिला। वहीं, कारोबारी दिनों में आकर भी इसने दोहरे आंकड़ों में शानदार कारोबार किया है। दूसरी ओर, हनुमान अंश भी बराबर टक्कर दे रही है और मजबूती के साथ टिकी हुई है, जबकि टॉक्सिक का बुरा हाल है। सैकनिल्क के मुताबिक, मिर्जापुरः द मूवी ने रिलीज के चौथे दिन (सोमवार) 16 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

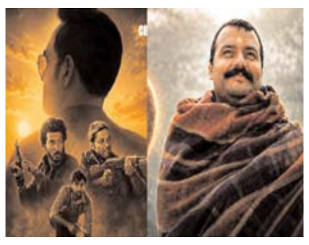

वीकेंड पर इसने 93.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 109.75 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, ग्रॉस कमाई 131.55 करोड़ रुपये हो गई है।विश्व स्तर पर फिल्म ने अब तक कुल 154.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।फिल्म में दिव्येंदु, रवि किशन, रसिका दुग्गल, अभिषेक बनर्जी, जितेंद्र कुमार समेत कई सितारे मौजूद हैं।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' को मिला यूए 16+ प्रमाणपत्र, 11 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित सस्पेंस अपराध-रोमांचक फिल्म 'हैवान' अब प्रदर्शन के लिए तैयार है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने 'यूए 16+' प्रमाणपत्र दिया है। इसका मतलब है कि 16 वर्ष से कम उम्र के दर्शकों के लिए फिल्म देखने पर अभिभावकीय मार्गदर्शन आवश्यक होगा।

फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शन ने किया है। निर्माताओं की ओर से फिल्म को प्रमाणन के लिए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां जांच के बाद इसे प्रदर्शन की मंजूरी दे दी गई।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, 'हैवान' को 'यूए 16+' प्रमाणपत्र के साथ मंजूरी मिली है। फिल्म की कुल अवधि 164 मिनट 7 सेकंड, यानी करीब 2 घंटे 44 मिनट 7 सेकंड है।

फिल्म की कहानी अपराध, रहस्य और रोमांच से भरपूर बताई जा रही है। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान पहली बार एक अलग तरह के किरदारों में नजर आने वाले हैं।'हैवान' में अक्षय कुमार एक मनोरोगी हत्यारे की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार फिल्म की कहानी में रहस्य और रोमांच को बढ़ाने वाला है। वहीं सैफ अली खान एक दृष्टिहीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षित व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे।सैफ के किरदार पर एक छोटी बच्ची की परवरिश की जिम्मेदारी है। कहानी में बच्ची और उसके इर्द-गिर्द पैदा होने वाली परिस्थितियां दोनों मुख्य किरदारों के बीच संघर्ष को महत्वपूर्ण मोड़ देती हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद है ड्राई ब्रशिंग, जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

ड्राई ब्रशिंग एक ऐसी तकनीक है, जो त्वचा की देखभाल में मदद करती है। इसमें सूखे ब्रश से त्वचा को हल्के हाथों से रगड़ा जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में खून के बहाव को बढ़ाती है और त्वचा को ताजगी देती है। यह शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर निखार आता है और वह मुलायम बनती है। आइए जानते हैं कि ड्राई ब्रशिंग के 5 प्रमुख फायदे क्या हैं।

बढ़ता है खून का बहाव

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की सतह पर हल्की-हल्की रेखाएं बनती हैं, जो खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती हैं। जब आप सूखे ब्रश से अपनी त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे खून की नसों में बहाव तेज होता है।

इस प्रक्रिया से त्वचा को अधिक ऑक्सीजन और जरूरी पोषण मिलता है, जिससे वह स्वस्थ और चमकदार दिखती है। त्वचा की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचने से उसकी ताजगी बनी रहती है और वह अधिक निखरी हुई लगती है।

साफ होती है मृत त्वचा

ड्राई ब्रशिंग त्वचा पर जमा मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। हमारी त्वचा पर हर दिन मृत त्वचा कोशिकाओं की परत बनती रहती है, जिसे हटाना जरूरी होता है, ताकि नई और स्वस्थ कोशिकाएं बन सकें।सूखे ब्रश से रगड़ने पर ये मृत त्वचा कोशिकाएं आसानी से निकल जाती हैं और त्वचा साफ और निखरी हुई लगती है। यह प्रक्रिया त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाती है।

विषाक्त पदार्थ होते हैं दूर

ड्राई ब्रशिंग शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। यह शरीर की सफाई करने वाले तंत्र को सक्रिय करती है, जो हमारे शरीर को अंदर से साफ रखने का काम करता है। सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ने पर खून का बहाव तेज होता है, जिससे जहरीले तत्व आसानी से शरीर से बाहर निकलते हैं। इससे त्वचा को ताजगी मिलती है और वह अधिक स्वस्थ दिखती है।

तनाव को कम करने में सहायक

ड्राई ब्रशिंग न केवल त्वचा पर असर डालती है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करती है। जब आप नियमित रूप से ड्राई ब्रशिंग करते हैं तो यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक आराम महसूस होता है।यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बनकर आपके जीवन में ताजगी लाती है। यह न केवल त्वचा को निखारती है, बल्कि आपके मूड को भी बेहतर बनाती है।

त्वचा बनती है मुलायम और चमकदार

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की बनावट में सुधार होता है। जब आप सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे त्वचा की सतह पर मौजूद गंदगी और तेल हट जाते हैं।यह प्रक्रिया त्वचा को साफ और मुलायम बनाती है। साथ ही, त्वचा पर निखार आता है, जिससे वह प्राकृतिक रूप से चमकदार दिखती है।ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर नमी बनी रहती है और उसकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है।

लैपटॉप, मोबाइल और टीवी जैसे उपकरणों को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

आजकल हमारे जीवन में तकनीकी उपकरणों का बड़ा महत्व है। चाहे वह मोबाइल हो, लैपटॉप हो या टीवी, इनकी सफाई और देखभाल करना जरूरी है। सही तरीके से सफाई करने से न केवल ये उपकरण ज्यादा समय तक चलते हैं, बल्कि इनकी कार्यक्षमता भी बनी रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने उपकरणों को सुरक्षित और साफ रख सकते हैं।

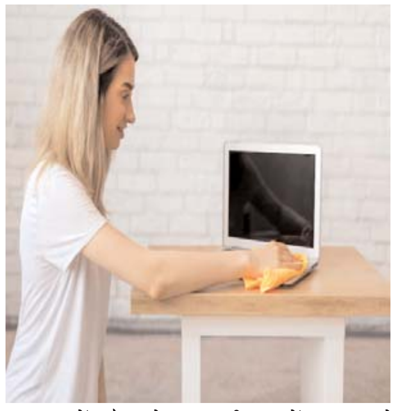

लैपटॉप को साफ करने का आसान तरीका

लैपटॉप की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कीबोर्ड के बीच जमा धूल हटाने के लिए एक छोटा ब्रश या मुलायम ब्रश का उपयोग करें।स्क्रीन को साफ करने के लिए एक सैनिटाइजर वाइप का इस्तेमाल करें और इससे स्क्रीन को हल्के हाथ से पोंछें। लैपटॉप के बाहरी हिस्से को भी साफ करें और फिर एक सूखे कपड़े से उसे अच्छी तरह पोंछ लें।

मोबाइल फोन को साफ करने का सही तरीका

मोबाइल फोन की सफाई से पहले उसे बंद कर दें। इसके बाद एक सूती कपड़ा या मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्का गीला करें। इस कपड़े से फोन की स्क्रीन और बैक साइड को धीरे-धीरे साफ करें।ध्यान रखें कि पानी फोन के अंदर न जाए। अगर स्पीकर या चार्जिंग पोर्ट में धूल हो तो उसे हल्के ब्रश से साफ करें। स्क्रीन को चमकाने के लिए आप सूखे और साफ कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं।

टीवी को साफ करने का तरीका

टीवी की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें।

स्क्रीन को साफ करने के लिए एक मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्के गीले कपड़े से पोंछें। ध्यान रखें कि स्क्रीन पर ज्यादा दबाव न डालें। टीवी के पीछे और किनारों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश या हल्का वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें।

गेमिंग कंसोल को साफ रखने का तरीका

गेमिंग कंसोल की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कंसोल के बाहरी हिस्सों को सूती कपड़े से साफ करें।

डिस्क स्लॉट और हवा पास होने वाले हिस्सों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करें। अगर कंसोल में डिस्क का उपयोग होता है तो डिस्क को हल्के गीले कपड़े से पोंछें और फिर सूखे कपड़े से अच्छी तरह साफ करें।

स्मार्ट स्पीकर को साफ करने का सही तरीका

स्मार्ट स्पीकर की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। स्पीकर के बाहरी हिस्सों को मुलायम कपड़े से पोंछें।अगर स्पीकर पर धूल जमी हो, तो उसे ब्रश से साफ करें। स्पीकर के जालीनुमा हिस्सों को साफ करते समय सावधानी बरतें ताकि अंदर कोई नुकसान न हो।

स्पीकर को गीले कपड़े से साफ करने के बाद उसे सूखा कपड़ा लेकर सुखा लें। इस तरह से आपका स्पीकर लंबे समय तक नया जैसा दिखेगा।

वन संसाधनों के संरक्षण और सतत प्रबंधन की कार्ययोजना को मंजूरी की मांग

धमतरीर (आरएनएस)। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन और सतत प्रबंधन को लेकर मारागांव, मड़ेली, मोहेरा, हिर्रीडीह और सातबाहना की सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों ने मंगलवार को कलेक्टर को संयुक्त ज्ञापन सौंपा। समितियों ने ग्राम सभा द्वारा तैयार सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन कार्ययोजना को जिला स्तरीय प्रबंधन समिति के समक्ष प्रस्तुत कर आवश्यक परीक्षण, अनुमोदन एवं आगामी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत ग्राम सभा एवं अधिकारधारकों को सामुदायिक वन संसाधनों की रक्षा, संरक्षण, पुनर्जीवन और प्रबंधन का अधिकार एवं दायित्व दिया गया है। इसी क्रम में समितियों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं, वन संसाधनों के संरक्षण और आजीविका संवर्धन को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार की गई है। समितियों ने मांग की कि कार्ययोजना का जिला स्तर पर आवश्यक परीक्षण कर अनुमोदन एवं आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रस्तावित गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों के बीच आवश्यक समन्वय एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए, ताकि सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वन संसाधनों का संरक्षण, संवर्धन एवं सतत प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। इसी संयुक्त ज्ञापन में पारा सातबाहना को पृथक ग्राम के रूप में मान्यता देने तथा स्वतंत्र ग्राम सभा गठित करने की मांग भी की गई।

48 घंटे में स्पोर्ट्स बाइक चोरी का खुलासाः 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार, दो नाबालिग भी पकड़े गए

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बांकीमोंगरा पुलिस ने स्पोर्ट्स बाइक चोरी के मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी मोनेन्द्र कुमार उर्फ मोनू (19 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। उसके साथ चोरी की वारदात में शामिल दो नाबालिग साथियों को भी पकड़ा गया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पल्सर आरएस 200 और एक्टिवा स्कूटी बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने महंगी स्पोर्ट्स बाइक चलाने के शौक के चलते चोरी की योजना बनाने की बात स्वीकार की है।मामला 5-6 सितंबर की रात का है। देव कुमार अहिरवार ने बांकीमोंगरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने 5 सितंबर की रात करीब 10 बजे अपनी पल्सर आरएस 200 (सीजी 12 बीटी 6722) दुकान के सामने लॉक करके खड़ी की थी। अगली सुबह करीब 7 बजे बाइक मौके से गायब मिली। बाइक की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। शिकायत के बाद बांकीमोंगरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की जांच के दौरान मामले में अहम सुराग टीपी नगर की एक चाबी दुकान से मिला। पुलिस के मुताबिक चोरी करने के बाद आरोपी उसी बाइक की डुप्लीकेट चाबी बनवाने के लिए दुकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान चाबी दुकान संचालक को आरोपियों की गतिविधियों पर शक हुआ। संयोग से जिस बाइक की डुप्लीकेट चाबी बनवाने आरोपी पहुंचे थे, उसी बाइक के मालिक का एक रिश्तेदार भी टीपी नगर में चाबी बनाने का काम करता है। शक होने पर दुकानदार ने बिना आरोपियों को भनक लगे डायल 112 पर पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्धों को पकड़ लिया।

देश से जातिवाद खत्म होता है तो हम आरक्षण छोड़ने के लिए तैयार :रामदास आठवले

रायपुर, (आरएनएस)। देशभर में आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे पर बहस छिड़ी हुई है. दिल्ली से लेकर कई प्रदेशों में आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि अगर देश से जातिवाद खत्म होता है तो हम आरक्षण छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आज भी दलितों पर होते हैं अत्याचार

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने आरक्षण व्यवस्था का विरोध करने वालों को लेकर कड़ा जवाब दिया है। आठवले ने कहा कि भारत में जाति के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है। जाति व्यवस्था से आर्टिकल 17 को खत्म कर दिया गया है, लेकिन आज भी दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार होते हैं। उन्होंने कहा, अगर जातिवाद खत्म होता है तो आरक्षण छोड़ने के लिए तैयार हैं। जब तक जातिवाद खत्म नहीं होता, आरक्षण लागू रहेगा। आरक्षण का विरोध नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार दलितों की सेवा करने में सक्षम

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दलितों के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशान साधते हुए कहा कि विपक्ष अब केवल टिप्पणी करने के लिए है। वह देश का विकास नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास तेजी से हो रहा है। सरकार दलितों की सेवा करने में सक्षम है। सरकार दलितों को न्याय दिलाने में प्रयासरत है।

केंद्रीय योजनाओं को लेकर केंद्रीय मंत्री करेंगे बैठक

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने अपने छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बताया कि रायपुर और बिलासपुर में उनके कार्यक्रम हैं। इस दौरान रायपुर निगम के अधिकारियों के साथ सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर बैठक की जाएगी। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे और अधिकारियों से इनके क्रियान्वयन की जानकारी लेंगे।

प्रदेश में मिले स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज, रायपुर में सबसे ज्यादा केस

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज की जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर में सबसे अधिक 19 मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जनवरी 2026 से अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 मरीज सामने आ चुके हैं।

रायपुर में सबसे अधिक केस

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर में आज 19 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जिले में जनवरी से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 127 मामले दर्ज हो चुके हैं, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं।

इन जिलों में मिले नए मरीज

आज बिलासपुर में 3, बलौदाबाजार में 2, बस्तर में 2, दुर्ग में 4, जांजगीर-चांपा में 1, कोंडागांव में 1, कोरबा में 3, महासमुंद में 2, मुंगेली में 1, रायपुर में 19, राजनांदगांव में 2 और सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके अलावा अन्य राज्यों से 5 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में कोरबा ने देश में 10वें स्थान पर हासिल की उपलब्धि

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक शहर कोरबा ने स्वच्छ हवा के मामले में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में कोरबा को देश में 10वां स्थान मिला है। पिछले सर्वेक्षण में कोरबा 18वें पायदान पर था। यानी शहर ने अपनी रैंकिंग में 8 स्थान का सुधार किया है। कोरबा की इस उपलब्धि को इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि शहर की पहचान देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में होती है और यहां वायु प्रदूषण लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रहा है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में कोरबा की रैंकिंग में सुधार को शहर में प्रदूषण कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का नतीजा बताया जा रहा है। प्रशासन की ओर से पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने इस उपलब्धि पर कोरबा के लोगों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है।

पौधारोपण से लेकर नदी संरक्षण तक पर जोर

मंत्री लखनलाल देवांगन के मुताबिक कोरबा में पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा हसदेव नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना पर भी काम जारी है।

यात्री किराया विवाद का जल्द होगा समाधान, परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाएं होंगी ऑनलाइन : मंत्री केदार कश्यप

-बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के साथ परिवहन मंत्री केदार कश्यप की सार्थक चर्चा

रायपुर, (ए.)। छत्तीसगढ़ के परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यात्री किराए से जुड़े विषय का शीघ्र समाधान किया जाएगा। साथ ही परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाओं को ऑनलाइन किया जाएगा, ताकि बस संचालकों और आम नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं मिल सकें।बुधवार को मंत्रालय में बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बस संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में यात्री किराए के पुनर्निर्धारण, स्लीपर बसों के टैक्स, बसों की समय-सारिणी, ऑनलाइन परमिट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, फिटनेस प्रमाण-पत्र और महिला यात्रियों की सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।बैठक में फेडरेशन ने साधारण बसों के किराए में 75 प्रतिशत तथा डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत वृद्धि की मांग रखते हुए 11 मार्च 2025 की संशोधित अधिसूचना को निरस्त करने का आग्रह किया। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।स्लीपर बसों पर वर्तमान टैक्स व्यवस्था में संशोधन की मांग पर मंत्री ने कहा कि इस विषय के व्यावहारिक, तकनीकी और राजस्व संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण किया जा रहा है और आवश्यक निर्णय नियमानुसार लिया जाएगा।स्टेज कैरिज बसों की समय-सारिणी के संबंध में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों की सुविधा और बसों के सुव्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था बनाई जाए। फेडरेशन ने मुख्य मार्गों पर बसों के बीच 10 मिनट तथा ग्रामीण मार्गों पर 30 मिनट का अंतराल निर्धारित करने का सुझाव दिया।बैठक में सभी स्टेज कैरिज बसों के लिए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन परमिट जारी करने की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

गणेश उत्सव को लेकर कोरबा पुलिस अलर्टः समितियों और डीजे संचालकों को सख्त निर्देश, पंडालों में लगेगा साइबर जागरुकता संदेश

कोरबा(आरएनएस)। गणेश चतुर्थी और आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए कोरबा पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस ने जिले की गणेश समितियों और पंडाल आयोजकों के साथ-साथ डीजे संचालकों की अलग-अलग बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटेल ने गणेश समितियों और डीजे संचालकों को कानून-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, ध्वनि प्रदूषण और प्रतिमा विसर्जन को लेकर जरूरी सावधानियों की जानकारी दी।

पुलिस ने गणेश समितियों को पंडाल परिसर और आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रखने और सुरक्षा के जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। पंडाल में पर्याप्त क्षमता का फायर एक्सटिंग्विशर रखने तथा आग या अन्य आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही विद्युत कनेक्शन और वायरिंग की जांच सक्षम विद्युतकर्मी से कराने, खुले तार, लूज वायर और असुरक्षित कनेक्शन को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि पंडाल ऐसी जगह और तरीके से लगाए जाएं, जिससे आम लोगों के आवागमन और यातायात में किसी तरह की परेशानी न हो।

खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान, देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड बने कप्तान

मुम्बई (आरएनएस),। ऑस्ट्रेलिया की ए टीम सितंबर से लेकर अक्टूबर तक भारत के दौरे पर रहेगी। इस दौरान दो मल्टी डे और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज करीब है, इसलिए बीसीसीआई की ओर से इसके लिए स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया है। इस बीच बड़ी बात ये है कि टीम में भारत के लिए इंटरनेशनल मैच खेल रहे बड़े बड़े खिलाड़ी भी शामिल किए गए हैं। वनडे मैचों के लिए टीम की कमान रुतुराज गायकवाड को दी गई है, वहीं मल्टी डे मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल कप्तान होंगे।

22 सितंबर से शुरू होगी सीरीज, दो मल्टी डे और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच सितंबर में दो मल्टी डे मैच खेले जाएंगे। मल्टी डे मैच का मतलब चार दिन के मैच से है। ये मैच टेस्ट फॉर्मेट पर खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 22 से लेकर 25 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 29 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल करेंगे, जो इस वक्त जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इसके बाद तीन वनडे मैच होंगे, जो 50 ओवर के तो होंगे, लेकिन इन्हें इंटरनेशनल दर्जा हासिल नहीं होगा। सीरीज का पहला मैच छह अक्टूबर को होगा, दूसरा मैच 9 अक्टूबर को होगा, सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 11 अक्टूबर को खेला जाएगा। सभी मुकाबले पुदुचेरी में खेले जाएंगे।

हार्दिक पांड्या भी टीम में शामिल, लेकिन फिटनेस पर निर्भर करेगा खेलना

लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हार्दिक पांड्या को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि उनके नाम के आगे स्टार लगा है, यानी अगर वे फिट हुए तभी खेलेंगे। मल्टी डे मैचखें के लिए वैशाख टीम में हैं, लेकिन उनका भी मामला फिटनेस पर निर्भर करेगा। हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं। देखना होगा कि क्या पांड्या तब? तक ठीक होकर वापसी कर पाएंगे या नहीं।

भारत ए मल्टी-डे स्क्वाड: अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन, नचिकेत भूटे, वी वैशाख भारत ए वन-डे स्क्वाड: प्रियांश आर्य, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र, निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अरशद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या*, प्रभसिमरन सिंह, गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

ब्लू जर्सी में लौटेगी भारतीय हॉकी टीम, एशियन गेम्स 2026 में नहीं दिखेगा नारंगी रंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर चल रही बहस पर अब विराम लगता दिख रहा है। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें अपने पारंपरिक ब्लू यानी नीले रंग की जर्सी में मैदान पर उतरेंगी। हाल ही में वर्ल्ड कप के दौरान नीले से नारंगी जर्सी में हुए बदलाव को लेकर काफी चर्चा और विरोध देखने को मिला था।हॉकी इंडिया ने लंबे समय से चली आ रही नीली जर्सी की जगह नारंगी रंग को अपनाया था। भारतीय टीम ने नीदरलैंड और बेल्जियम में आयोजित FIH वर्ल्ड कप के दौरान इसी रंग की किट पहनी थी। जर्सी का रंग बदलने का तर्क यह दिया गया था कि नीले टर्फ पर नीली जर्सी पहनने से खिलाड़ियों को पहचानने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, यह बदलाव विवादों में घिर गया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने भी सार्वजनिक रूप से इस फैसले की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जर्सी का रंग बदलने का निर्णय उनकी जानकारी या हॉकी इंडिया के निर्वाचित नेतृत्व और कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी के बिना लिया गया था।अब एशियन गेम्स के लिए स्थिति स्पष्ट करते हुए तिर्की ने PTI से बातचीत में कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने टीम किट के रंग को लेकर पसंद बताने को कहा था और हॉकी इंडिया ने नीले रंग को पहली पसंद, जबकि नारंगी को दूसरी पसंद के तौर पर चुना है।

यूएस ओपन : फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क (आरएनएस) । अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया। टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे।

टियाफो ने कहा, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।

सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई। वह 2022 और 2024 में भी सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज से हारकर उनका सफर समाप्त हो गया था।

मैच के बाद टियाफो से गले मिलने के बारे में मिशेलसन ने कहा, उस पल में मुझे दिलासा देने के लिए वह बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं खुद को संभालने की कोशिश कर रहा था, और मैं इसमें अच्छा काम नहीं कर पाया। वह बहुत सारी अच्छी पर्सनल बातें कह रहे थे। मेरे पास शारीरिक और मानसिक रूप से आगे बढ़ने के लिए बहुत समय है। मैं फिर से यहां आऊंगा। मुझे पता है।

यूएस ओपन : जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंचीं, एरिना सबालेंका से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क (आरएनएस) । जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए मुकाबले में पेगुला ने एमा नवारो को 2 घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। जेसिका ने लगातार तीसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में पेगुला थोड़ी असहज दिख रही थीं। एमा नवारो ने उन्हें कुछ मुश्किल समय दिया, लेकिन पेगुला बेहतरीन वापसी की और मैच अपने नाम किया। जीत के बाद पेगुला के व्यवहार में राहत साफ दिख रही थी। उन्होंने कोर्ट पर मुश्किलों से लड़ने की बात मानी। पेगुला ने जीत के बाद कहा, यह सच में बहुत मुश्किल था। यहां उमस थी। मैं अपनी बेस्ट सर्व नहीं कर पा रही थी। मैं आज वहां बहुत सारी मुश्किलों से लड़ रही थी।

जेसिका ने मैच देखने आए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, यहां आने के लिए आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। आप लोगों के सामने खेलना सम्मान की बात है। इससे बढ़कर कुछ नहीं है।

अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला का कुल मिलाकर यह चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी आखिरी चार में पहुंची थीं।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश कर रही पेगुला को सेमीफाइनल में मुश्किल विपक्षी मिला है। सेमीफाइनल में पेगुला का मुकाबला पिछले दो बार की चैंपियन एरिना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने से दो जीत दूर हैं। सबालेंका और पेगुला के बीच यह रोमांचक मुकाबला 2024 के फाइनल का रिप्ले होगा, जिसे सबालेंका ने जीता था। सबालेंका का पेगुला के खिलाफ 9-4 का रिकॉर्ड है।

पाकिस्तान की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर आईसीसी का एक्शन, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला एशिया कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इसी बीच पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर अनुशासन तोड़ने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पाइंट भी जोड़ा गया है। दरअसल, गुल फिरोजा ने सोमवार को दुबई में हांगकांग के खिलाफ मैच के दौरान ऑन-फील्ड अंपायर के एलबीडब्ल्यू आउट देने के फैसले पर अपनी असहमति जताई थी। मामला पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर का था। फिरोजा बाएं हाथ की कलाई की स्पिनर कैरी चैन की टॉस-अप डिलीवरी को स्वीप करने के लिए नीचे उतरीं, ऐसा लगा कि वह चूक गईं, और गेंद स्टंप के सामने उनके पैड पर लगी। ऑन-फील्ड फैसला आउट था। टूर्नामेंट में डीआरएस का इस्तेमाल नहीं होने के कारण, फिरोजा को जाना पड़ा। पेवेलियन लौटते समय फिरोजा ने अंपायर के फैसले पर असहमति जताई थी और इसी वजह से उन पर आईसीसी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

आईसीसी के मुताबिक, फिरोजा ने ऑन-फील्ड अंपायर के फैसले पर अपनी असहमति जताते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए कहा था कि एज लगा है।

उनका व्यवहार आईसीसी प्लेयर्स के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन था। यह 24 महीने के समय में फिरोजा की दूसरी गलती थी। इस वजह से उस समय उनके कुल दो डिमेरिट पॉइंट हो गए।फिरोज़ा एशिया कप के दौरान कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए दोषी पाई जाने वाली पाकिस्तानी दूसरी खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले उनकी कप्तान फातिमा सना पर भी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। फातिमा को शनिवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान शेफाली वर्मा को आउट करने के बाद किए गए व्यवहार के लिए एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया था।भारत के खिलाफ मैच में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन हांगकांग पर 72 रन से जीत के साथ, पाकिस्तान ग्रुप ए से भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है।एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश ने जगह बनाई है। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश और पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका से होगा।

रणजीत सिंह : भारतीय क्रिकेट के पितामह, विरोध के बावजूद इंग्लैंड की तरफ से खेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

नई दिल्ली (आरएनएस) । क्रिकेट भारत का सबसे लोकप्रिय खेल है। देश का सामान्य वर्ग हो संभ्रांत वर्ग, यह खेल हर वर्ग को एक समान उत्साहित और रोमांचित करता है। हालांकि, शुरुआत में ऐसा नहीं था। क्रिकेट भारत में अपने शुरुआती चरण में राजघरानों और वहां कार्य करने वाले लोगों तक ही सीमित था। राजघरानों ने ही इस खेल को देश में लोकप्रिय किया और इसमें एक बड़ा योगदान जामनगर के महाराजा कुमार रणजीत सिंह का भी है। रणजीत सिंह भारतीय क्रिकेट का पितामह कहा जाता है। उनका जन्म 10 सितंबर 1872 को गुजराज के काठियावाड़ के सरोदर गांव में हुआ था। उन्हें रणजी सिंह के नाम से भी जाना जाता है। शुरुआती शिक्षा देश में ग्रहण करने के बाद वह 16 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए इंग्लैंड भी गए थे। छात्र जीवन में वह क्रिकेट के अलावा, फुटबॉल और टेनिस भी खेलते थे, लेकिन क्रिकेट ने उन्हें अमिट पहचान दिलाई। रणजी सिंह एक बेहतरीन बल्लेबाज थे। उनकी कलाईयों में जादू था। उन्होंने क्रिकेट को कई शानदार और ऑकर्षक शॉट दिए।

मीनाक्षी चौक का नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार भवानी प्रसाद मिश्र के नाम हुआ

शहर के पत्रकारों ने नगर पालिका परिषद के प्रति किया आभार व्यक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर पालिका परिषद के साधारण सम्मेलन में बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राष्ट्रकवि भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर मीनाक्षी क्षेत्र के चौक का नाम किया गया। उल्लेखनीय है कि इस चौक का नाम पूर्व में भी परिषद द्वारा पारित किया गया था। लेकिन उसे लंबा समय हो गया था। एक बार फिर पत्रकारों ने नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिनिध महेंद्र यादव, सीएमओ वैभव देशमुख तथा सभी पार्षदों एल्डरमेनों के समक्ष प्रस्ताव रखा जिस पर पूरी परिषद ने एक स्वर से इस प्रस्ताव पर ऊंचा हाथ करके तथा मेज थपथपा कर अपनी पूर्ण सहमति प्रदान की। पूरी परिषद द्वारा नर्मदांचल के प्रसिद्ध कविवर पत्रकार व देश की आजादी में अपना विशेष योगदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भवानी प्रसाद मिश्र के नाम पर चौक का नाम किए जाने पर पत्रकारों ने आभार व्यक्त किया। इस इस दौरान अनेक पत्रकार भी बैठक सभागार में मौजूद रहे। आभार व्यक्त करने वालों में बलराम शर्मा, पंकज शुक्ला, मनोज सोनी, पीतांबर जोशी, अभिषेक गौर, महेश यादव, संजीव खापरे सहित अन्य पत्रकारों ने भी आभार व्यक्त किया।

नपा के साधारण सम्मेलन में रखे 32 प्रस्ताव

यातायात व्यवस्था, स्वच्छता और पेयजल निर्माण कार्यों को मिलेगी गति स्वच्छता के लिए ईवी वाहन की खरीदी का प्रस्ताव पास

नपा का स्वयं का होगा आर्किटेक्ट, शहर बनेगा सुंदर

नपा का साधारण सम्मेलन अमृता सभाकक्ष में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में सीएमओ वैभव देशमुख विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, नेता प्रतिपक्ष अनोखे राजोरिया, पूर्व नपाध्यक्ष मीना वर्मा, सभापति पार्षदगण और एल्डरमेन सहित

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, स्वच्छ भारत अभियान नोडल अनुराग तिवारी, उपयंत्री अधिकारी उपस्थित रहे। नगर विकास को लेकर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुए। इस अवसर पर सीएमओ सहित अधिकारियों ने पार्षदों के प्रश्नों के उत्तर दिए। बैठक में 32 प्रस्ताव रखे गए। जिनपर चर्चा हुई। भोपाल तिराहा शेष कार्य कराए जाने हेतु प्राक्कलन राशि रुपए 93,00 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव पास किया गया।

नपा खरीदेगी 40 ईवी कचरा वाहन

शासन से राशि मिलने उपरांत 40 नग डोर.टू.डोर ऑटो ईव्ही वाहन क्रय किए जाने की स्वीकृति, नगरीय क्षेत्र के सभी 33 वार्डों में नगर पालिका के ठोस कचरे के पृथक्करण के लिए घर.घर जाकर संग्रहण हेतु एजेंसी का चयन, द्वितीयक संग्रहण प्रसंस्करण केंद्रों तक परिवहन तथा एकीकृत

जीपीएस जियो.पॉसिंग जियो.टैग मोबाईल एप्लीकेशन सर्विस पॉइंट डेटाबेस और आईसीटी डैशबोर्ड की व्यवस्था कार्य कराए जाने की स्वीकृति। स्वच्छ भारत मिशन 20 के अंतर्गत नवीन 01 नग हाईड्रोलिक ट्रक वाहन, 01 नग स्पीईग मशीन, 01 नग वैक्यूम इम्पीयटर, 01 नग ट्रक माउटेंण्ट हाईड्रोलिक लिफ्ट, 01 नग सीवर जेटर, 01 नग ट्रेक्टर लोडर के साथ 01 नग, 01 नग मोबाईल टायलेट ट्रक क्रय किए जाने की स्वीकृति, मृत मवेशी के निपटान हेतु इंसीनेटर क्रय किए जाने की स्वीकृति। स्वच्छता शुल्क ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क निर्धारण हुआ। आउटसोर्स पर 26 कर्मचारी अतिरिक्त रखे जाने की स्वीकृति। भवन भूखंड एवं दुकानों के प्राप्त नामांतरण आवेदन प्रकरणों के संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुए।

वार्डों में होंगे विकास कार्य

वार्ड नं 19 में विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड निर्माण, आरसीसी नाली निर्माण एवं पेवर ब्लाक लगाए जाने की स्वीकृति दी गई है। वार्ड नं 18 विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड निर्माण आरसीसी नाली निर्माण एवं पेवर ब्लाक लगाने की स्वीकृति के प्रस्ताव भी पारित हो हुआ।

आवंटित टपों का किराया निर्धारित

नगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर रखे गए नगरपालिका द्वारा आवंटित टपों के कर निर्धारण के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया है।

इन कार्यों की समावधि बढ़ी

नगरीय क्षेत्र में निमार्णाधीन ऑडिटोरियम की समयावधि 6 माह वृद्धि, मुख्यमंत्री घोषणांतर्गत निर्माणाधीन बस स्टैंड की समयावधि 6 माह वृद्धि करने के संबंध में विचार।

नपा का स्वयं का होगा आर्किटेक्कट

भारत सरकार के काउंसिल आफ आर्किटेक्चर में पंजीकृत मान्यता प्राप्त कंसल्टेंट आर्किटेक्ट की सेवा निकाय में लिए जाने हेतु निविदा बुलाए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। सीएमओ वैभव देशमुख ने बताया कि साधारण सम्मेलन में सभी प्रस्ताव पास हुए हैं। प्रस्ताव के अनुसार नगर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने स्वच्छता अभियान को सुदृढ़ करने और नागरिकों को पेयजल निर्माण कार्यों से संबंधित प्रस्ताव पारित हुए। जिनका पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

'सभी का समान्वित प्रयास से होगा विकास

पीआईसी के साथ ही नपा में साधारण सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें सभी का साथ सभी का विकास और सभी के विश्वास के साथ सभी की सहमति से प्रस्ताव पास हुए हैं। जो नगर के विकास में गति देंगे।

सामाजिक न्याय विभाग का कार्यालय जिला पंचायत भवन के भूतल पर किया जाए शिफ्ट : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम में विकसित होगा एकीकृत बाल संरक्षण एवं कल्याण केंद्र, कलेक्टर ने किया बाल कल्याण समिति कार्यालय का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र) । कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बुधवार को जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला पंचायत भवन में संचालित सामाजिक न्याय विभाग के कार्यालय का जायजा लिया। दिव्यांगजनों को कार्यालय तक पहुंचने में सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग का कार्यालय भूतल पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए, ताकि दिव्यांगजन एवं अन्य हितग्राही आसानी से कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने बाल कल्याण समिति कार्यालय का भी निरीक्षण किया। यहां किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन कंट्रोल एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई का संचालन किया जाना है। कलेक्टर ने बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुड़ी सभी इकाइयों का संचालन एक ही परिसर में समन्वित रूप से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इस इकाई का नाम बाल भवन किए जाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि इस परिसर को बच्चों के लिए सुरक्षित, सहज और अनुकूल वातावरण के रूप में विकसित किया जाए। नर्मदापुरम में कलेक्टर की पहल पर इस इकाई को एकीकृत बाल संरक्षण एवं कल्याण इकाई के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ पर जिले में हुआ 'एक पेड़ बेटी के नाम' कार्यक्रम

नर्मदापुरम(निप्र) । कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति एवं 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना अंतर्गत

बुधवार को राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ अवसर पर जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में 'एक पेड़ बेटी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत लाडली बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों अथवा समीपस्थ उपयुक्त स्थानों पर बेटी के नाम से पौधारोपण किया गया। इस पहल के माध्यम से बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।'एक पेड़ बेटी के नाम' कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों एवं स्थानीय जनसमुदाय ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बालिकाओं के सम्मान, शिक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

विकास नारोलिया बने भारत सरकार की दूरसंचार सलाहकार समिति टीएसी के सदस्य

नर्मदापुरम(निप्र) । भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अधीन भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल द्वारा होशंगाबाद व्यापार क्षेत्र के लिए गठित दूरसंचार सलाहकार समिति टीएसी में क्षेत्र के पूर्व मंडल अध्यक्ष

विकास नारोलिया को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। दूरसंचार सलाहकार समिति में दायित्व प्राप्त होने पर विकास नारोलिया ने देश के यशस्वी केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। श्री नारोलिया ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के मार्गदर्शन में एवं श्रीमंत सिंधिया के कुशल संवेदनशील एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का संचार तंत्र अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा मंत्री जी ने मुझ पर जो अटूट विश्वास जताकर यह जिम्मेदारी सौंपी है मैं उस पर पूर्ण निष्ठा कर्मठता और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करूँगा। क्षेत्र के युवाओं की ऊर्जा को जनहित में लगाना और संचार क्षेत्र के लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है।अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए विकास नारोलिया ने कहा कि दूरसंचार सलाहकार समिति भारत सरकार बीएसएनएल प्रशासन और आम उपभोक्ताओं के बीच एक सेतु की तरह कार्य करती है। क्षेत्र के ग्रामीण एवं सुदूर अंचलों में 4 जी 5 जी नेटवर्क का विस्तारए फाइबर कनेक्टिविटी की सुलभताए लैंडलाइन व ब्रॉडबैंड सेवाओं में स्थिरता तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का समय.सीमा के भीतर निराकरण कराना उनकी कार्ययोजना में शामिल रहेगा।

सजग विद्यार्थी, सुरक्षित भविष्य स्प्रिंगडेल्स स्कूल में साइबर सुरक्षा से नशा मुक्ति तक जागरूकता का संदेश

नर्मदापुरम(निप्र)। विद्यार्थियों को बदलते डिजिटल परिवेश में सुरक्षित सजग एवं जिम्मेदार बनाने तथा उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा एवं नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल में बुधवार को देहात थाना के सहयोग से विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देहात थाना के टीआई उषा मरावी बाल कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा एसआई मिस पूजा लक्ष्यकार एवं एएसआई दीपक पाराशर उपस्थित रहे। सुरक्षा की शुरुआत जागरूकता से सत्र में उषा मरावी ने गुड टच.बैड टच जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय पर भी विद्यार्थियों को सहज और सरल भाषा में जानकारी दी। उन्हें अपने शरीर की सुरक्षा के प्रति सजग रहने असहज स्पर्श को पहचानने तथा किसी भी असहज परिस्थिति में बिना झिझक अभिभावक शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। एसआई पूजा लक्ष्यकार ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए साइबर अपराधों से बचाव सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा व्यक्तिगत जानकारी

एवं डिजिटल पहचान को सुरक्षित रखने के महत्वपूर्ण उपाय साझा किए। एसआई प्रवीण कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों को शिक्षाए खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संवाद से दूर हुई जिज्ञासाएँ

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद करने एवं प्रश्न पूछने का अवसर मिला। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें किसी भी संदिग्ध या असुरक्षित स्थिति में सजगता से कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य मोना चटर्जी ने कहा आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें साइबर सुरक्षा व्यक्तिगत सुरक्षा और नशे जैसी सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं सजग बनाना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे जागरूकता सत्र विद्यार्थियों में आत्मविश्वास सतर्कता और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। हमारा प्रयास है कि हमारे विद्यार्थी सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करते हुए एक जागरूक जिम्मेदार और सशक्त नागरिक के रूप में आगे बढ़ें। कार्यक्रम के अंत में उप.प्राचार्य लक्ष्मी पलोहिया ने देहात थाना से उपस्थित सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

नर्मदापुरम में 13 सितंबर को होगा, संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र) । संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत कला अकादमी, भोपाल के तत्वावधान में संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता सुर वाणी संगीत कला संस्थान, नर्मदापुरम के संयोजन में 13 सितंबर 2026, रविवार को प्रातः 11:00 बजे से शासकीय नर्मदा महाविद्यालय सभागार, नर्मदापुरम में आयोजित की जाएगी। सुगम संगीत के क्षेत्र में कलात्मक श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह प्रतियोगिता निःशुल्क रहेगी।

सफलता की कहानी

युवा उद्यमिता को मिला शासन का संबल, एमएसएमई योजना से मिल रही औद्योगिक विकास को गति

नर्मदापुरम की धरती से निकलकर वैश्विक बाजार में पहुंची जिले के चावल को चमक

पिपरिया के युवा उद्यमी गौरव दुदानी ने स्थापित की आधुनिक राइस मिल

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की एमएसएमई प्रोत्साहन योजना प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने और युवाओं को उद्योग स्थापना के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने और अपने व्यवसाय को विस्तार देने के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं एवं प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासन की अनुकूल औद्योगिक नीतियों से प्रेरित होकर जिले के युवा उद्यमी भी उद्योग स्थापना की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में शासन की औद्योगिक नीतियों और प्रोत्साहन से लाभान्वित होकर नर्मदापुरम जिले के युवा उद्यमी गौरव दुदानी ने पिपरिया तहसील के एमपीआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में आधुनिक राइस प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर जिले के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गौरव दुदानी ने प्रगति फूड प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से चावल प्रोसेसिंग के व्यवसाय को नई गति दी है। उनकी आधुनिक राइस मिल में प्रतिमाह लगभग 1000 टन चावल की मिलिंग की जा रही है। मिलिंग के बाद चावल की गुणवत्ता की जांच, प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की आधुनिक प्रक्रिया अपनाते हुए तैयार उत्पाद का देश के साथ-साथ विदेशों में भी निर्यात किया जा रहा है। वर्तमान में उनकी इकाई के माध्यम से लगभग 30 देशों में चावल का निर्यात किया जा रहा हैअपने उद्यम के संबंध में गौरव दुदानी ने बताया कि शासन की योजनाओं से लाभान्वित होकर उन्होंने आधुनिक तकनीक से युक्त चावल उत्पादन एवं प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि इस उद्यम के माध्यम से न केवल उनके व्यवसाय को विस्तार मिला है, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में व्यापार एवं उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक विकास की नीतियों को सरल और मजबूत बनाया गया है। उन्होंने प्रदेश में उद्योग स्थापना एवं औद्योगिक विकास के लिए सकारात्मक और सहयोगी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री दुदानी ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा व्यापारियों एवं उद्यमियों को उद्योग और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश की औद्योगिक नीतियां सरल एवं मजबूत होने से उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने में सहायता मिल रही है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोनम कटारे को उपचार हेतु प्रदान की आर्थिक सहायता

रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से दिया गया सहायता राशि का चैक

नर्मदापुरम(निप्र) । सिवनी मालवा तहसील के ग्राम सतवासा निवासी कु. सोनम कटारे ने स्वास्थ्य खराब होने के कारण उपचार एवं दवाओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में बताया गया कि स्वास्थ्य खराब होने पर परिजनों द्वारा उनका उपचार कराया गया, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण आगे का उपचार एवं दवाओं का नियमित खर्च वहन करना कठिन हो रहा है। कु सोनम का परिवार मजदूरी कर अपना भरण-पोषण करता है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आवेदिका की आर्थिक स्थिति एवं उपचार की आवश्यकता को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से कु. सोनम कटारे को उपचार एवं दवाओं के लिए आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com